दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

बॉक्स ऑफिस पर रेट्रो ...8

सिद्धार्थनगर
रविवार, 04 मई 2025
वर्ष: 12 अंक: 141 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/- रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारतीय नौसेना ने दिखाया शक्ति का त्रिशूल

पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद भारतीय नौसेना ने अरब सागर में अपनी परिचालन तत्परता बढ़ा दी है, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। नौसेना के युद्धपोत हाई अलर्ट पर हैं और खतरों को रोकने के लिए कई जहाज-रोधी और वायु रक्षा अभ्यास किए हैं। भारतीय तटरक्षक बल भी पाकिस्तान के साथ समुद्री सीमा की निगरानी के लिए नौसेना के साथ मिलकर काम कर रहा है। मिसाइल परीक्षण ऐसे समय में किए गए हैं, जब ऐसी खबरें आ रही हैं कि पाकिस्तानी नौसेना इसी क्षेत्र में इसी तरह की फायरिंग की योजना बना रही है। बढ़ी हुई गतिविधि से पता चलता है कि भारत समुद्री प्रतिक्रिया विकल्प तैयार कर रहा है।

एक बार फिर अपनी समुद्री शक्ति का प्रदर्शन करते हुए भारतीय नौसेना ने शनिवार को समुद्र में तैनात अपने शक्तिशाली फ्रिगेट की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एक सतही जहाज, एक पनडुब्बी और एक हेलीकॉप्टर है। इन तीनों को भीनौसेना शक्ति का त्रिशूल बताते हुए, एक्स पर पोस्ट में विध्वंसक आईएनएस कोलकाता, एक स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी और ध्रुव एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) शामिल थे। नौसेना ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, भीनौसेना शक्ति का त्रिशूल - ऊपर, नीचे और लहरों के पार। जो पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच तेजी से वायरल हो गया। यह तस्वीर 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच जारी की गई थी।

भारतीय नौसेना का समुद्री अभ्यास

27 अप्रैल को, नौसेना ने कई एंटी-शिप मिसाइल फायरिंग के सफल समापन की घोषणा की, जिससे लंबी दूरी के सटीक आक्रामक हमलों के लिए इसकी क्षमता की पुष्टि हुई। एक बयान में नौसेना ने कहा कि उसके युद्धपोतों ने प्लेटफार्मों, प्रणालियों और कर्मियों की तत्परता को प्रदर्शित करने और उसे फिर से मान्य करने के लिए अभ्यास किया। बयान में कहा गया है ये सफल फायरिंग लंबी दूरी के सटीक आक्रामक अभियानों के लिए भारतीय नौसेना की तैयारियों को उजागर करती है। भारतीय नौसेना किसी भी समय, कहीं भी, किसी भी तरह से राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय और भविष्य के लिए तैयार है। घोषणा के साथ, नौसेना ने समुद्र में लाइव फायरिंग दिखाते हुए वीडियो जारी किए, हालांकि इसने अभ्यास के सटीक समय का खुलासा नहीं किया। इसे भी पढ़ें: न्यूजन चव ने बंद किया ट्वीट का विवादित शो ग्मेम रतनौत, रणवीर पोनीशनर क्लिप पर बढ़ गया था विवाद

अरब सागर के युद्धपोत के दृश्यों के साथ भारतीय नौसेना का संदेश

पिछले सप्ताह, नौसेना ने अरब सागर में कई एंटी-शिप फायरिंग करने वाले भारतीय युद्धपोतों के दृश्य भी साझा किए, जो लंबी दूरी के सटीक हमलों के लिए उनकी तैयारी को प्रदर्शित करते हैं। नौसेना ने समुद्र के बीच में युद्धपोतों से ब्रह्मोस एंटी-शिप और एंटी-सरफेस क्रूज मिसाइलों को दागे जाने के कई दृश्य एक्स पर साझा किए। इन युद्धपोतों में कोलकाता श्रेणी के विध्वंसक और नीलगिरि तथा क्रिवाक श्रेणी के फ्रिगेट शामिल थे।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी रेंजर को पकड़ा

भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था

गंगानगर। राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा से बीएसएफ ने एक पाक रेंजर को पकड़ा है।

यह घटनाक्रम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच सीमा सुरक्षा बल के एक जवान को रेंजर्स की तरफ से पकड़े जाने के करीब 15 दिन बाद हुई है। बता दें कि, पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

पाकिस्तानी रेंजर को राजस्थान में बीएसएफ ने हिरासत में लिया, मामले में अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी रेंजर को बीएसएफ के राजस्थान फ्रंटियर ने हिरासत में ले लिया है। वहीं बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ को रेंजर्स ने 23 अप्रैल को पंजाब में इस अंतरराष्ट्रीय सीमा पर से पकड़ा था और भारतीय बल की तरफ से दर्ज कराए गए कड़े विरोध के बावजूद उन्होंने उसे सौंपने से इनकार कर दिया।

बीएसएफ कर रही पाकिस्तानी रेंजर से पूछताछ

जानकारी के मुताबिक बीएसएफ इस पाकिस्तानी रेंजर से पूछताछ कर रही है कि वह किस मकसद से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। बता दें कि, राजस्थान में भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा रेखा बिल्कुल स्पष्ट है। यहां कश्मीर में एलओसी की तरह कोई विवाद नहीं है। ऐसे में पाकिस्तानी जवान के यहां घुसपैठ की कोशिश कई सवाल खड़े कर रही है। बीएसएफ ने इसके बाद सीमा पर चौकसी और कड़ी कर दी है।

पाकिस्तान ने पकड़ा है बीएसएफ का एक जवान

वहीं कुछ दिन पहले इसी तरह पाकिस्तानी रेंजर्स ने भी गलती से सीमा पार चले गए बीएसएफ जवान को पकड़ लिया था। इसके बाद बीएसएफ अधिकारियों ने फ्लैग मीटिंग भी बुलाई लेकिन पाकिस्तान की तरफ से कोई भी अधिकारी इस मीटिंग में शामिल नहीं हुआ। ऐसे में माना जा रहा है कि पाकिस्तान को बीएसएफ ने उसी की भाषा में जवाब दिया है।

पीएम मोदी से मिले जम्मू-कश्मीर सीएम उमर अब्दुल्ला

पहलगाम हमले के बाद यह पहली मुलाकात

नई दिल्ली। जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और पिछले सप्ताह पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली बैठक है जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास पर बैठक करीब 30 मिनट तक चली।

आतंकी हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकवाद को पाकिस्तान के समर्थन के जवाब में कई उपायों की घोषणा की। इनमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना, अटारी में एकीकृत चेक पोस्ट को बंद करना और उच्चायोगों के कर्मचारियों की संख्या कम करना शामिल है। भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को दिए गए सभी प्रकार के वीजा रद्द कर दिए और उन्हें 30 अप्रैल तक देश छोड़ने का आदेश दिया। भारत ने पाकिस्तानी एयरलाइनों द्वारा संचालित उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र भी बंद कर दिया।

जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने भारत के साथ सभी तरह के व्यापार को निलंबित करने की घोषणा की, जिसमें पाकिस्तान के माध्यम से किसी तीसरे देश के साथ व्यापार भी शामिल है और भारतीय एयरलाइनों को अपने हवाई क्षेत्र का उपयोग करने से रोक दिया। पाकिस्तानी सेना लगातार आठवें दिन भी सीमा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रही है, जम्मू-कश्मीर के पांच जिलों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर छोटे हथियारों से गोलीबारी कर रही है।

अब नहीं चलेगी प्राइवेट स्कूलों की मनमानी, दिल्ली कैबिनेट ने स्कूल फीस एक्ट को दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली कैबिनेट द्वारा सभी निजी स्कूलों की फीस वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए स्कूल फीस एक्ट को मंजूरी दे दी गई है। इसके बाद सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि इस एक्ट के जरिए सभी 1677 स्कूलों की फीस पारदर्शी तरीके से नियंत्रित की जाएगी। पिछली सरकारों के कार्यकाल में लगातार फीस में बढ़ोतरी होती रही है। पहली बार किसी सरकार ने यह एक्ट बनाया है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब दिल्ली सरकार इतनी व्यवस्थित हो जाएगी कि लोग अपने बच्चों को निजी स्कूलों की बजाय सरकारी स्कूलों में भेजने के लिए मजबूर हो जाएंगे। हम जल्द ही सदन बुलाकर एक्ट पर मुहर लगाकर इसे दिल्ली की जनता को सौंप देंगे। मंत्री आशीष सूद ने कहा कि आप सरकार से अलग हमारी सरकार ने उन रास्तों को बंद कर दिया है जिनके जरिए बच्चों को लूट का माध्यम बनाया जाता था।

पीडीए पर भरोसा, 2027 की फोकस, अखिलेश यादव कुछ इस अंदाज में कर रहे यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। समाजवादी पार्टी मीडिया को साधने की भी कोशिश कर रही है। यही कारण है कि लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में पिछले कुछ दिनों से मीडियाकर्मियों और प्रमुख नेताओं की भीड़ लगी हुई है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की लगभग रोजाना मीडिया कॉन्फ्रेंस हो रही है। इस दौरान वह भाजपा और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाते हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए अखिलेश ने अपने हमले तेज कर दिए हैं। अखिलेश यादव का पूरा फोकस पीडीए पर है जिसमें पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक शामिल हैं। साथ ही, विभिन्न जिलों में सरकारी नियुक्तियों के बारे में उनका दावा है कि वे जाति के आधार पर तय होती हैं। सपा नेताओं ने कहा कि पार्टी के सांसद, विधायक और कार्यकर्ता राज्य के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर पर मुसलमानों, ओबीसी और दलितों से संपर्क कर रहे हैं। पिछले एक सप्ताह में ही सपा प्रमुख ने शुक्रवार सहित पांच दिनों में प्रेस कॉन्फ्रेंस की है, जिसमें पार्टी सांसद रामजी लाल सुमन पर करणी सेना के सदस्यों द्वारा हमला, राजपूत आइकन महाराणा प्रताप पर कथित अपमानजनक टिप्पणी और पहलगाम आतंकी हमले जैसे मुद्दे उठाए हैं। गुरुवार को, सपा के फ्रंटल बॉडी, समाजवादी लोहिया वाहिनी द्वारा लगाए गए एक पोस्टर पर विवाद के बाद, जिसमें आधे हिस्से में अखिलेश के साथ बी आर अंबेडकर की तस्वीर थी, उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और पार्टी कार्यकर्ताओं से सपा नेताओं की तुलना किसी भी प्रमुख व्यक्तित्व से नहीं करने की अपील की। भाजपा और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने पोस्टर को लेकर सपा पर निशाना साधा और इसे अंबेडकर का अपमान कहा। लोहिया वाहिनी के नेता लाल चंद गौतम के साथ अखिलेश ने मीडिया से कहा कि गौतम भविष्य में ऐसे पोस्टर नहीं लगाएंगे।

■ अखिलेश यादव का पूरा फोकस पीडीए पर है जिसमें पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक शामिल

जाति आधारित जनगणना को लेकर तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, अब कर दी ये बड़ी मांग

पटना। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक विस्तृत पत्र लिखकर आम जनगणना के साथ-साथ देश भर में जाति आधारित जनगणना कराने के केंद्र के फैसले का स्वागत किया है। हालांकि, पत्र में उन्होंने एनडीए के पिछले रुख की तीखी आलोचना की और सरकार से व्यापक सामाजिक न्याय सुधारों के लिए आंकड़ों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। अपने पत्र में यादव ने प्रधानमंत्री को बिहार में महागठबंधन के 17 महीने के कार्यकाल के दौरान एनडीए नेताओं और संस्थानों द्वारा पैदा किए गए विरोध और बाधाओं की याद दिलाई, जब राज्य सरकार ने अपना जाति आधारित सर्वेक्षण कराया था। यादव ने लिखा, सालों से आपकी सरकार और एनडीए जाति आधारित जनगणना की मांग को विभाजनकारी और अनावश्यक बताकर खारिज करते रहे हैं। जब महागठबंधन सरकार ने इसे कराने का फैसला किया, तो केंद्रीय अधिकारियों और आपकी पार्टी के सहयोगियों ने सक्रिय रूप से इसकी आवश्यकता पर सवाल उठाए और बाधाएं पैदा कीं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय जनगणना में जाति जनगणना को शामिल करने के केंद्र के फैसले पर पीएम नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि बिहार जाति सर्वेक्षण से पता चला है कि ओबीसी और ईबीसी राज्य की आबादी का लगभग 63 प्रतिशत हिस्सा हैं - एक ऐसा निष्कर्ष जिसने लंबे समय से चले आ रहे मिथकों को तोड़ दिया और समावेशी शासन की तत्काल आवश्यकता को प्रदर्शित किया।

जो डर गया वो मर गया...

फारूक अब्दुल्ला ने पर्यटकों से की वापस लौटने की अपील

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की बड़े पैमाने पर वापसी का आह्वान करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति आतंकवादियों के मुंह पर जोरदार तमाचा होगी और यह क्षेत्र की दृढ़ता का प्रमाण होगी। पहलगाम में एक शोक सभा में डॉ. अब्दुल्ला ने शोक संतप्त परिवार के साथ एकजुटता व्यक्त की और प्रतिकूल परिस्थितियों में लोगों की एकता की प्रशंसा की। उन्होंने क्षेत्र में शांति को बाधित करने का प्रयास करने वालों का जिक्र करते हुए कहा, लोगों की एकता और दृढ़ता के कारण उनके चेहरे काले पड़ जाएंगे। फारूक अब्दुल्ला ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर के लोग डरे हुए नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम डरने वाले नहीं हैं। जम्मू-कश्मीर हमारा है और हम इस खूबसूरत भूमि को संजोकर रखेंगे और उसका निर्माण करेंगे जो अल्लाह ने हमें दी है। उन्होंने कहा कि हालात सामान्य हैं। ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को यहां आना चाहिए। उन्हें डरना नहीं चाहिए। जो डर गया वो मर गया। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे पहलगाम, गुलमर्ग, श्रीनगर और कटरा में माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जरूर आएं। हम आतंकवाद से थक चुके हैं। आतंकवाद को खत्म करना जरूरी है और इसके लिए प्रधानमंत्री जो भी कदम उठाएंगे, हम उनके साथ हैं और उसका इंतजार कर रहे हैं। अब्दुल्ला ने मृतक के नाम पर हायर सेकेंडरी स्कूल का नाम बदलने की स्थानीय मांग का समर्थन किया और उपस्थित लोगों को आश्वासन दिया कि पार्टी प्रशासन के समक्ष यह मांग रखेगी। उन्होंने कहा, इंशाअल्लाह, हम इसे सरकार के समक्ष रखेंगे और स्कूल का न केवल नाम बदला जाएगा बल्कि उसका और विकास भी किया जाएगा।

कांग्रेस की CWC अंदर से पाकिस्तान वर्किंग कमेटी

चरणजीत चन्नी ने सर्जिकल स्ट्राइक का मांगा सबूत तो भड़की बीजेपी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले पर कांग्रेस पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को आरोप लगाया कि पार्टी अपने नेताओं के बिल्कुल विपरीत बयानों के जरिए नागरिकों और सशस्त्र बलों दोनों का मनोबल गिरा रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने 2019 के पुलवामा घटना के बाद पाकिस्तान पर भारत की सर्जिकल स्ट्राइक की प्रामाणिकता पर सवाल उठाने के लिए पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उन्हें यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि बाहर से कांग्रेस कार्यसमिति है लेकिन अंदर पाकिस्तान कार्यसमिति है।

पात्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस से कहा कि पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित हमले के बाद पूरा देश दुख से जूझ रहा है, कल सीडब्ल्यूसी (कांग्रेस कार्यसमिति) की बैठक हुई जिसमें कुछ प्रस्ताव पारित किए गए। हाथी के दांत दिखाने के और, और खाने के और हैं। पात्रा ने संवाददाताओं से कहा कि सीडब्ल्यूसी द्वारा प्रस्ताव पारित किए जाने के तुरंत बाद चन्नी ने एक 'समानांतर' संवाददाता सम्मेलन किया जिसमें उन्होंने 2019 के पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद बालाकोट में किए गए भारत के हवाई हमले की वास्तविकता पर सवाल उठाया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी तंज कसा। चन्नी ने संवाददाताओं से कहा, 'कांग्रेस पाकिस्तानी सेना एवं आतंकवादियों को ऑक्सीजन देने तथा उनका मनोबल बढ़ाने का कोई मौका नहीं छोड़ती।' चन्नी ने पुलवामा हमले का जिक्र करते हुए कहा था कि 40 भारतीय सैनिक मारे गए और सरकार ने चुनाव आने पर कार्रवाई का दावा किया। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा था, 'लेकिन हमने कभी नहीं देखा कि पाकिस्तान में कहां हमले किए गए और कहां लोग मारे गए।

चोरों द्वारा लगातार चोरी की घटना नहीं हो रही उजागर

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थानाक्षेत्र शोहरतगढ़ अन्तर्गत शुक्रवार को खुनुवां चौकी क्षेत्र में एक बार फिर हुई गेहूं चोरी की घटना प्रकाश में आई है। आपको बता दें कि विकास खण्ड शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत करहिया में शुक्रवार रात्रि में बोरे में बांध कर रखे 10 से 11 कुन्तल गेहूं घर से चोरों द्वारा चुरा कर ले गये। वहीं पुलिसवालों की रात की गस्त की पोल खुली है। ग्राम पंचायत करहिया में एक हफ्ते में यह तीसरी बड़ी चोरी की घटना है। वहीं चोरों द्वारा पहले भी उक्त ग्राम पंचायत में दो बार 03 मोबाइल रु.5000 और 25 कुन्तल गेहूं चोरी हुई थी, जिसको लेकर पुलिस द्वारा पूर्व में हुई चोरी की घटना को उजागर नहीं हुआ है। खुनुवां क्षेत्र में यह मामला काफी चर्चा का विषय बना है। आखिर क्यों इन चोरों पर लगाम नहीं लगा पा रहा है या पुलिसवालों से चोरों से मिलीभगत है?

पुलिस ने एक नफर वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर सिद्धार्थ के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बांसी मयंक प्रकाश के कुशल पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक जोगिया उदयपुर अनूप कुमार मिश्र मयफोर्स के नेतृत्व में शनिवार को थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 58/2025 धारा 103(1), 61(2) बी0एन0एस0 से सम्बन्धित एक नफर वांछित अभियुक्त को बढ़ई ग्राम कपिया इन्द्रा से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल एक अदद बांस का डण्डा बरामद करते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय भेजा गया। पकड़े गये गिरफ्तार वांछित अभियुक्त सूरज पुत्र गंगाराम पासवान साकिन सियरावार थाना उसका बाजार जनपद सिद्धार्थनगर है। इस दौरान गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार मिश्र, कांस्टेबल प्रदीप उपाध्याय व कांस्टेबल बालेन्दर निषाद मौजूद रहें।

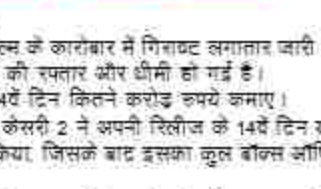

रेड 2 के दस्तक देते ही केसरी 2 की कमाई में गिरावट, जानें 14वें दिन कारोबार

अक्षय कुमार की फिल्म केसरी 2 को बीते 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। जलियांवाला बाग हत्याकांड के दर्द को बयां करती यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन से ही

अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

पिछले कुछ दिनों से फिल्म के कारोबार में गिरावट लगातार जारी है और अब रेड 2 के दस्तक देते ही केसरी 2 की कमाई की रफ्तार और धीमी हो गई है।

आइए जानें फिल्म ने 14वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।

सैकनिल्क के मुताबिक, केसरी 2 ने अपनी रिलीज के 14वें दिन यानी पहले गुरुवार को 1.60 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 74.75 करोड़ रुपये हो गया है।

दुनियाभर में इस फिल्म ने 100 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। आर माधवन और अनन्या पांडे पर फिल्म का हिस्सा हैं। केसरी 2 के निर्देशन की कमान करण सिंह त्यागी ने संभाली है, वहीं करण जौहर इस फिल्म के निर्माता हैं।

भारतीय किसान यूनियन (अं) ने जिलाधिकारी को दिया 7 सूत्रीय ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय किसान यूनियन (अं) के जिलाध्यक्ष जबीउल्लाह के अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जिला कार्यकारिणी की बैठक की गई। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर को सात सूत्रीय ज्ञापन देकर समस्याओं की मांग की गई। वहीं सात सूत्रीय ज्ञापन समस्याएं बिन्दुवार निम्नलिखित है–1–जनपद सिद्धार्थनगर का राष्ट्रीय राज्य मार्ग कोइलाबाढ़ से सिद्धार्थनगर मुख्यालय तक गड्ढे में पूर्ण रूप से तब्दील हो गया है, जिससे आये दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिसे अतिशीघ्र बनवाया जाये। 2–जनपद सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत सभी बन्धों (बढ़नी से टेकई–जोगिया ब्लाक) को बारिश के पूर्व ठीक कराया जाये। 3–सिद्धार्थनगर जनपद के सभी सरकारी समितियों एवं ब्लाकों पर धान बीज व खाद उपलब्ध कराया जाये। 4–जनपद के सभी तहसील व ब्लाकों के अन्तर्गत सभी ग्राम सभाओं की नालियों व सार्वजनिक स्थल की सफाई कर्मियों द्वारा साफ कराया जाये। 5–जनपद के सभी नहरों एवं नहरों के सिल्ट की सफाई सम्बन्धित कुरा अविलम्ब कराया जाये। 6–शोहरतगढ़ ब्लाक के अन्तर्गत ग्राम जमुनी में मनरेगा के अन्तर्गत जिला विकास अधिकारी सिद्धार्थनगर द्वारा जांच में जो अनियमितता पाई गई, उस पर अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं किया गया है, जिससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। अतः दोषियों के विरुद्ध शीघ्र कार्यवाही किया जाये, अन्यथा भाकियू धरना–प्रदर्शन करने पर बाध्य होगा। 7–विकास खण्ड खेसरहा के अन्तर्गत ग्राम सभा हरैया टोला करसेंडरा में अमरावती पत्नी हरीराम के घर से बनुडिया चकरोड तक इन्टरलाकिंग पूर्ण कराया जाये। भारतीय किसान यूनियन (अं) द्वारा ज्ञापन देने के दौरान जबीउल्लाह जिलाध्यक्ष, सन्तराम राव (जिला सचिव), राजेश दूबे (जिला उपाध्यक्ष), भोला यादव (जिला संगठन मंत्री), नूरजहां (जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ), श्रवण कुमार (तहसील अध्यक्ष), अमरावती, गंगाराम, तपसी प्रसाद भारती (ब्लाक अध्यक्ष बर्डपुर), अनवर अहमद (ब्लाक उपाध्यक्ष बर्डपुर) सहित अन्य पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

विद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत भारतभारी क्षेत्र के गुरु गोरक्षनाथ ज्ञानस्थली में शनिवार को विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा बच्चों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें विद्यालय के बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ साथ छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया और उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने के लिए प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष व पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, स्वच्छता के नियमों को समझाना तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को बताना था। शिविर में बच्चों ने बड़ी उत्सुकता से भाग लिया और विशेषज्ञों से उपयोगी जानकारी प्राप्त की। प्रबंधक प्रदीप सिंह व प्रधानाचार्य सुषमा श्रीवास्तव ने बताया कि हम विद्यालय में एक स्वस्थ और सहायक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो कक्षा के अंदर और बाहर दोनों जगह हमारे विद्यार्थियों की सफलता और विकास में योगदान देता है। आज की जीवनशैली से उपजी चुनौतियों में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है। ऐसे में बच्चों से लेकर बड़ों तक को स्वास्थ्य जांच समय–समय पर करवाते रहना चाहिए। शिविर के अंत में विद्यालय प्रबंधन समिति के द्वारा शिविर में योगदान करने वाले सभी स्वास्थ्य कर्मियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान डा. महेश कुमार वर्मा, डा. तेजबहादुर, दिलीप मिश्र, गीता चौधरी, प्रिंस पाण्डेय, अंकित श्रीवास्तव, अवधेश शर्मा आदि सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

डा0 कहकशां खान द्वारा प्रसव के दौरान आपरेशन से मरियम की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले में स्थित अल सहारा अस्पताल की डाक्टर कहकशा खान की लापरवाही का मामला प्रकाश में आया है। आपको बता दें कि मोहाना थाना क्षेत्र के हरिदासपुर गांव की रहने वाली 24 वर्षीय मरियम को प्रसव के लिए परिजनों ने जिला मुख्यालय स्थित अल सहारा अस्पताल में भर्ती करवाया था। वहीं परिजनों की मानें तो डॉ0 कहकशा खान ने मरियम का ऑपरेशन करते समय कुछ पेट में छूट जाने के चलते तुरन्त दोबारा आपरेशन किया गया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। गम्भीर हालत को देखते हुए अल सहारा अस्पताल की डॉ0 कहकशा खान ने परिजनों को कहा की इसकी जान बचानी हो तो तुरन्त गोरखपुर के आनन्द लोक हॉस्पिटल ले जाओ। जिसके बाद परिजन मरियम को लेकर गोरखपुर के अस्पताल पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजन मरियम का शव लेकर घर चले गये। इस मामले को लेकर जब पत्रकारों ने अल सहारा अस्पताल की डॉ0 कहकशा खान से बात करने की कोशिश की तो बात को टाल कर चली गई। वहीं इस मामले को लेकर जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने बताया कि मरियम मामले में वायरल विडियो के आधार पर एडीएम स्तरीय 3 सदस्यों की टीम को जांच सौंपी गई है। जांच के आधार पर कार्यवाही की जायेगी। डीएम द्वारा जांच स्तरीय टीम में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सिद्धार्थनगर ज्ञान प्रकाश सहित सहायक प्राचार्य माधव प्रसाद त्रिपाठी चिकित्सा महाविद्यालय सिद्धार्थनगर डा0 रेनू गौड़ व क्षेत्राधिकारी यातायात/लाइन सिद्धार्थनगर अकमलाकान्त सिंह हैं। वहीं आपको बता दें कि जुलाई 2023 में भी अल सहारा हॉस्पिटल की महिला चिकित्सक डॉ0 कहकशा खान ने स्वस्थ बच्चे के लिए गर्भवती की दवा लिखने के मामले में फंसी थी। पूर्व डीएम द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच टीम जांच हुई थी।

कांग्रेसियों ने निकाला धन्यवाद जुलूस, राहुल को दी बधाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जातीय जनगणना कराने हेतु भाजपा सरकार को बाध्य करने के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी को बधाई एवं धन्यवाद देने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष काजी सुहेल अहमद के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कार्यालय से कलेक्ट्रेट परिसर तक धन्यवाद जुलूस निकाला और सभी ने जातीय जनगणना कराने के लिए राहुल गांधी जी को बधाई एवं धन्यवाद दिया। सभी पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना कराये जाने का फैसला नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी के समर्पण, वर्षों के संघर्ष दूरदर्शिता की सोच का प्रतीक है। वंचितों को उनका हक दिलाने का राहुल गांधी जी का सपना अब साकार होता दिख रहा है। इसके लिए पूरा देश राहुल गांधी जी को बधाई दे रहा है और हम कांग्रेस के लोग धन्यवाद जुलूस के माध्यम से अपने नेता राहुल जी को धन्यवाद देते हैं। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी किरन शुक्ला, कृष्ण बहादुर सिंह, सतीश चन्द्र त्रिपाठी, सादिक अहमद ने कहा कि जातिगत जनगणना कराने की जो मुहिम राहुल गांधी जी द्वारा चलाई गई और सड़क से लेकर सदन तक उनके द्वारा किये गये संघर्ष का नतीजा है कि बीजेपी सरकार ने जनगणना कराये जाने को लेकर प्रस्ताव पारित किया है। यह राहुल गांधी जी के साथ–साथ देश के वंचित वर्गों की भी जीत है। इस अवसर पर मौलाना हमीदुल्लाह चौधरी, संतोष त्रिपाठी, रियाज मनिहार, रितेश त्रिपाठी, आसिफ रिजवी, राजन श्रीवास्तव, देवेन्द्र कुमार गुड्डू, रितेश त्रिपाठी, सुदामा प्रसाद, हौरी लाल श्रीवास्तव, ओमप्रकाश दूबे, शौकत अली, रियाजद्दीन सईनी, संतोष चौधरी, दिवाकर त्रिपाठी, रंजना मिश्रा, दीपक चतुर्वेदी, राजेश कुमार शास्त्री, अकबर अली, फसीउल्लाह हाशमी, अब्दुल्लाह चौधरी, सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यालय : ग्रा.पं.– औसानकुइंया, वि.खं.– डुमरियागंज, जनपद– सिद्धार्थनगर

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025–26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत औसानकुइंया विकास खण्ड–डुमरियागंज में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज–2/आरजीएसए के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री भारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अंत्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, कूड़ा स्थापना, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी पटाई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों की स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों–प्रथम श्रेणी ईंट, पीला खण्ड ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, टाइल्स, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम., पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्टोन डस्ट, 30 एम.एम. इन्टरलाकिंग ईंट, पेंट, साइन बोर्ड, समरसेबल, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई–रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टेबिल, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सीसीटीवी कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक डैश, मरम्मत अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मों से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 19/05/2025 अपरान्ह 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु–5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर दाता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर स्टेटमेन्ट संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह टैक्स तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बीडीओ, जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 13. धरोहर की धनराशि नगद, राष्ट्रीयकृत बैंक की एफडी एवं एनएससी/डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत औसानकुइंया के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत औसानकुइंया कार्यालय से प्राप्त करें जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत औसानकुइंया के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
नवीउन्निशा	अमित कुमार तिवारी
ग्रा.पं.–औसानकुइंया,	ग्रा.पं.–औसानकुइंया,
वि.ख.– डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर	वि.ख.– डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर

कार्यालय : ग्रा.पं.– भलुवाही, वि.खं.– डुमरियागंज, जनपद– सिद्धार्थनगर

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025–26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भलुवाही विकास खण्ड–डुमरियागंज में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज–2/आरजीएसए के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री भारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अंत्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, कूड़ा स्थापना, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी पटाई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों की स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों–प्रथम श्रेणी ईंट, पीला खण्ड ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, टाइल्स, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम., पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्टोन डस्ट, 30 एम.एम. इन्टरलाकिंग ईंट, पेंट, साइन बोर्ड, समरसेबल, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई–रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टेबिल, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सीसीटीवी कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक डैश, मरम्मत अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मों से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 19/05/2025 अपरान्ह 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु–5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर दाता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर स्टेटमेन्ट संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह टैक्स तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बीडीओ, जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 13. धरोहर की धनराशि नगद, राष्ट्रीयकृत बैंक की एफडी एवं एनएससी/डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत भलुवाही के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत भलुवाही कार्यालय से प्राप्त करें जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत भलुवाही के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
अश्वनी कुमार मिश्रा	लवकुश प्रसाद
ग्रा.पं.–भलुवाही,	ग्रा.पं.–भलुवाही,
वि.ख.– डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर	वि.ख.– डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर

कार्यालय : ग्रा.पं.– बिलवट, वि.खं.– डुमरियागंज, जनपद– सिद्धार्थनगर

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025–26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बिलवट विकास खण्ड–डुमरियागंज में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज–2/आरजीएसए के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री भारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अंत्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, कूड़ा स्थापना, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी पटाई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों की स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों–प्रथम श्रेणी ईंट, पीला खण्ड ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, टाइल्स, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम., पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्टोन डस्ट, 30 एम.एम. इन्टरलाकिंग ईंट, पेंट, साइन बोर्ड, समरसेबल, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई–रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टेबिल, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सीसीटीवी कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक डैश, मरम्मत अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मों से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 20/05/2025 अपरान्ह 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु–5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर दाता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर स्टेटमेन्ट संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह टैक्स तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बीडीओ, जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 13. धरोहर की धनराशि नगद, राष्ट्रीयकृत बैंक की एफडी एवं एनएससी/डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत बिलवट के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत बिलवट कार्यालय से प्राप्त करें जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत बिलवट के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
तालीमुन्निशा	अश्वनी कुमार
ग्रा.पं.–बिलवट,	ग्रा.पं.–बिलवट,
वि.ख.– डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर	वि.ख.– डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर

प्रधानमंत्री आवास के लिए 15 मई तक करें आवेदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से वंचितों के लिए सरकार ने एक और मौका दिया है। ग्राम पंचायत में तैनात सर्वेयर के माध्यम से अथवा स्वयं के माध्यम से सेल्फ सर्वे कर आवास के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत अवशेष पात्र व्यक्तियों का नाम आवास प्लस सूची में सम्मिलित किये जाने हेतु आवास प्लस सर्वे–2024 की कार्यवाही प्रगति पर है। जिले में अब तक 21520 सेल्फ सर्वे एवं 19397 असिस्टेंट सर्वे कुल 40917 व्यक्तियों का सर्वे हो चुका है। सर्वे का कार्य दिनांक 30 अप्रैल 2025 तक किये जाने हेतु निर्धारित था, परंतु भारत सरकार द्वारा समय सीमा 15 मई तक बढ़ा दी गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत जो भी पात्र व्यक्ति सर्वे से छूट गये हों वे अपना सर्वे आवास प्लस एप पर स्वयं कर सकते हैं या ग्राम पंचायत में तैनात सर्वेयर को सूचित करें। यदि किसी प्रकार की इस संबंध में समस्या हो तो संबंधित खण्ड विकास अधिकारी या परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण से संपर्क कर सकते हैं।

दो सौ में केवल पाँच गिरफ्तार, विभाग पर प्रश्न चिन्ह

23 किसानों ने 63 बार बेचा था धान, बचाने में कौन लगा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। धान क्रय केन्द्र घोटालों में जहां 200 लोगों पर आरोप लग रहे हैं तो वहीं केवल कुछ लोगों पर कार्यवाही करने पर प्रश्न चिन्ह लगता नजर आ रहा है। सीओ शोहरतगढ़ सुजीत राय के नेतृत्व में एसआइटी व एसओजी की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को धान खरीद घोटाले में वांछित एक आरोपित को गिरफ्तार किया। वहीं सात मुकदमे में नामजद आरोपित तत्कालीन जिला प्रबंधक पीसीएफ के महराजगंज के पुरन्दरपुर थाना क्षेत्र स्थित आवास पर एसआइटी ने दबिश दी। मौके पर आरोपित तत्कालीन जिला प्रबंधक पीसीएफ नहीं मिला। टीम के सदस्यों ने आरोपित को तीन दिन में एसआइटी के समक्ष उपस्थित होने की चेतावनी दी। गिरफ्तार ट्रांसपोर्टर का नाम त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र निवासी मर्थक मणि त्रिपाठी है। पुलिस की चार सदस्यीय एसआइटी धान खरीद घोटाला की जांच कर रही है। डीएम डा. राजागणपति आर के निर्देश पर तत्कालीन एडीएम उमाशंकर ने धान खरीद घोटाला की जांच की थी। एडीएम की जांच में 16.60 करोड़ के घोटाले की पुष्टि हुई। डीएम के निर्देश पर पीसीएफ ने तत्कालीन पीसीएफ के जिला प्रबंधक व कैशियर उमाकांत उपाध्याय के खिलाफ दर्ज किया गया। कुल पांच थाना में अभी तक सात मुकदमे दर्ज हैं। कई क्रय केंद्र प्रभारी को इसमें नामजद करते हुए उनकी गिरफ्तारी की गई। इसी बीच पीसीएफ ने 67 करोड़ के अनियमित भुगतान का आरोप लगाते हुए सदर थाना में जिला प्रबंधक व कैशियर के साथ दो ठीकेदार के खिलाफ बिना काम किए ही भुगतान लेने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया। इसके बाद एसआइटी ने अपनी जांच तेज कर दी। इस संबंध में सुजीत कुमार राय, सीओ शोहरतगढ़ ने बताया कि धान खरीद घोटाले की जांच एसआइटी कर रही है। इस मामले की विवेचना में आरोपित ट्रांसपोर्टर का नाम भी सामने आया। उसे सदर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। महराजगंज निवासी तत्कालीन

पीसीएफ के जिला प्रबंधक की गिरफ्तारी के लिए उनके आवास पर दबिश दी गई। उनके नहीं मिलने पर तीन दिन के भीतर एसआइटी के समक्ष उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया गया है।

पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को मुकामी थाना क्षेत्र के सोहास बाजार से जन सेवा केंद्र से मोटरसाइकल चोरी की सूचना पर पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए अभियुक्त का पीछा कर पकड़ लिया। अभियुक्त नगर पंचायत भारत भारी वार्ड नंबर 09 थाना डुमरियागंज जनपद सिद्धार्थनगर का निवासी है। वादी रामकुमार यादव सोहास बाजार में जनसेवा केंद्र खोला हुआ था जब जन सेवा केंद्र बंदकर घर जाने के लिए निकला तो देखा मोटरसाइकिल नहीं मिला वादी ने पुलिस को सूचना तत्काल पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए 10 किलोमीटर दूर पीछा करने पर अभियुक्त को दबोच लिया। थाना प्रभारी हरेकृष्ण उपाध्याय ने बताया कि अभियुक्त को पुलिस ने पीछाकर पकड़ लिया अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया है।

महिला द्वारा चप्पल निकालकर मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। महिला द्वारा चप्पल निकालकर मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि थानाक्षेत्र उसका बाजार अन्तर्गत पुलिस सहायता केन्द्र उसका राजा के पास एक महिला द्वारा एक लड़के को कॉलर पकड़कर चप्पल निकालकर मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में महिला द्वारा एक लड़के को पकड़कर चप्पल से मारती दिख रही है। वहां पर मौजूद लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था। वायरल वीडियो शनिवार का बताया जा रहा है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। बांसी नगर स्थित एक वार्ड से एक सप्ताह पूर्व एक नाबालिग का अपहरण करने व उसके साथ दुष्कर्म करने के – आरोपित को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। निषाद नगर वार्ड के मोहल्ला बेलवन्वा निवासी आरोपित का नाम शिवा निषाद पुत्र जीतराम है। बीते शुक्रवार को नाबालिग के घर वाले जब खेत में गए थे तभी आरोपित ने 14 वर्षीय नाबालिग का अपहरण कर लिया था। अपहृता के पिता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपित व नाबालिग की तलाश में जुटी हुई थी। शुक्रवार सुबह अपहरणकर्ता को नाबालिग के साथ रोडवेज तिराहे पर किसी ने देखा तो कोतवाली पुलिस को सूचित किया। उप निरीक्षक विनय पासवान व आरक्षी राम शब्द यादव तत्काल मौके पर पहुंच गए दोनों को थाने ले आये। अपहरणकर्ता को विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया तथा नाबालिग के स्वजन के साथ मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया। कोतवाल संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि अपहरणकर्ता पर पाक्सो एक्ट की धारा बढ़ाते हुए न्यायालय भेजा गया है।

गरीबों के निवालों पर डॉका डाल रहे कोटेदार, जिलाधिकारी के पहल पर होगी कार्यवाही

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज। एआरओ के अगुवाई में टीम शुक्रवार को अंदुआ हासिया गांव में खाद्यान्न वितरण की स्थलीय हकीकत जानने पहुंची तो स्थिति और विकट निकली। अधिकारियों के गांव में आने की खबर पाकर पहुंचे कार्डधारकों में अधिकांश ने एक माह का पूरा खाद्यान्न वितरण न किए जाने का कोटेदार पर आरोप लगाया। ग्रामीणों के विरोध की स्थिति को देखकर जांच अधिकारियों ने रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रेषित करने के उपरांत कार्रवाई का आश्वासन दिया। भनवापुर ब्लाक में लंबे समय से चार किलो प्रति यूनिट खाद्यान्न वितरण हो रहा था। जब टीम जांच करने गांव में पहुंच गयी। जांच टीम के सामने 31 कार्ड धारक उपस्थित हुए। जिनमें 11 अंत्योदय 20 पात्र गृहस्थी के लाभार्थी शामिल थे। एआरओ सतीश चंद्र ने कार्डधारकों से वितरण की स्थिति पूछी तो अधिकांश कार्ड धारकों ने बताया की जब वितरण होता है तो चार किलो प्रति यूनिट के दर से ही दिया जाता है। मालती, बनारो, धर्मराज, सनोरा, अवधराम, जवाहिर, तितिर, श्रीनेवास, स्वरूप, प्रताप, धर्मेंद्र, प्रताप, मुस्लई, दयाराम, रामदेव, कलावती, अनिल कुमार ने अप्रैल माह में राशन वितरण न होने की शिकायत करते हुए कहा कि कोटेदार मनमाने तरीके जब चाहता है पूरे माह का राशन निगल जाता है। एआरओ सतीश चंद्र ने बताया की कार्ड धारकों का बयान लिया गया है। रिपोर्ट जिलाधिकारी को दी जाएगी। पूर्ति निरीक्षक भनवापुर दीपचंद, लिपिक अखिलेश सिंह अन्य उपस्थित रहे।

झगड़े से नाराज पत्नी ने की आत्महत्या करने की कोशिश

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थानाक्षेत्र शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत कोडरीडीहा में शुक्रवार की दोपहर में आपसी विवाद को लेकर पत्नी ने घर के कमरे में साड़ी के फंदे के सहारे आत्महत्या करने की कोशिश की। जिसको घरवालों ने आनन–फानन में कुंडी से उतारकर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शोहरतगढ़ पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डा0 एस0के0 भारती द्वारा गम्भीर देख मेडिकल कालेज सिद्धार्थनगर रेफर कर दिया गया। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोडरीडीहा निवासिनी बेला उर्फ बेरला देवी पत्नी तीरथ चौधरी में किसी बात को लेकर सुबह विवाद हो गया था। दोपहर बारह बजे बेला पत्नी तीरथ चौधरी ने अपने कमरे में जाकर छत की कुंडी में साड़ी के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की, इतने में उसकी बेटी ने देख लिया और शोर मचाया। शोर सुनकर घरवाले दौड़े तो देखा वह फंदे से झूलने लगी। घरवाले आनन–फानन में उसे कुंडी से उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शोहरतगढ़ ले गये। जहां प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज सिद्धार्थनगर रेफर कर दिया गया। गांव के कुछ लोगों ने बताया कि रोजी–रोटी के लिए तीरथ दिल्ली–मुंबई जाता है। कुछ माह पहले अपने घर आया था।

भाजपा द्वारा ''अल्पसंख्यक प्रबुद्ध संवाद'' कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय जनपद–सिद्धार्थनगर पर भारतीय जनता पार्टी सिद्धार्थनगर द्वारा अम्बे मैरेज हाल, नौगढ़ में वक्फ सुधार अधिनियम जन जागरण अभियान के तहत अल्पसंख्यक प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डुमरियागंज लोक सभा क्षेत्र के सांसद एवं जे0पी0सी0 चेयरमैन माननीय जगदम्बिका पाल जी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पर श्री पाल ने कहा कि यह वक्फ सुधार अधिनियम देश के गरीब, बेसहारा अल्पसंख्यक परिवारों के लिए मील का पत्थर साबित होगा श्री पाल ने कहा कि पूर्व में सच्चर समिति की रिपोर्ट में सिफारिश की गई थी कि बोहरा आवारखानी, पासमंदा, विधवा, मुस्लिम महिलाएं ओबीसी आदि के बीच गरीबी को प्रमुखता से उजागर किया गया था, लेकिन देश की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने मुस्लिमों के लिए कुछ नहीं किया बल्कि अपना वोट बैंक समझा, लेकिन देश में यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद सबका साथ–सबका विकास के तहत इस शक्ति करण, तुष्टीकरण नहीं बल्कि सच्चर रिपोर्ट का वास्तविक रूप से क्रियान्वयन करने का कार्य किया गया है। वक्फ संशोधन अधिनियम ने मनमानी और शोषण को समाप्त कर सबको समानता के अधिकार देने का कार्य किया

है। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि शेहान जमीर (क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा) ने नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहली सरकार है जो गरीबों और सभी वर्गों का सम्मान करते हुए अधिकारी दिलवाने का कार्य करती है, कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान जी ने करते हुए कहा कि कि हमलोगों के लिए गौरव की बात है कि यह अधिनियम हमारे लोकप्रिय सांसद जगदम्बिका पाल जी की अध्यक्षता में पास हुआ जिसे इतिहास के पन्नों में दर्ज किया जायेगा, कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिवनाथ चौधरी, सैनिय उपाध्यक्ष, राशिद पठान, खालिक रहमान, सब्बू साहनी जफर, जहीर मुमताज अली, रहमतुल्ला, अमीरुल्ला, कलीम खान, कलीम रिजवी रफीउल्लाह, हनीफ, अकबर अली, बरकत अली आदि लोग उपस्थित रहे।

उस्का बाजार में कवि सम्मेलन व मुशायरा आज

दैनिक बुद्ध का संदेश

उस्का बाजार। उस्का बाजार नगर पंचायत अंतर्गत टेंपो स्टैंड के निकट स्थित वैलकम मैरेज हॉल में रविवार को शाम सात बजे से सिद्धार्थ काव्य महोत्सव 2025 के अंतर्गत अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा तथा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। यह जानकारी कार्यक्रम आयोजक राकेश साहनी ने देते हुए बताया कि महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी व विशिष्ट अतिथि पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष हेमंत कुमार जायसवाल उपस्थित रहेंगे।

ग्राहक सेवा केंद्र संचालक पर रुपये निकालने का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र की रहने वाली कांती शर्मा ने अपने बैंक खाते से जालसाजी कर निकाले गए 16000 रुपये की शिकायत करते हुए जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने दिए गए प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि वह स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम बड़या भोलानाथ की निवासी है। उनका भारतीय स्टेट बैंक हल्लौर शाखा में खाता है। आठ मार्च को वह डेवा चौराहा स्थित जनसेवा केंद्र से 5000 रुपये की निकासी की थी। आधार कार्ड भूलवश वहीं छूट गया। इसके बाद वह न तो बैंक गईं और न ही दोबारा जनसेवा केंद्र से कोई धनराशि निकाली। लेकिन 25 मार्च को जब उन्होंने पैसे निकालने के लिए बैंक गईं तो उनके खाते में शेष राशि नहीं थी। स्टेटमेंट से पता चला कि 13, 18 और 21 मार्च को क्रमशः 4900, 10,000 और 1100 रुपये निकाले गए हैं। शिकायतकर्ता को आशंका है कि यह निकासी जनसेवा केंद्र के संचालक ने की है। उन्होंने कई बार स्थानीय थाने और बैंक में शिकायत दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। संचालक का पति उन्हें धमकी देता है कि शिकायत की तो वह उसे फर्जी गबन के मामले में फंसा देगा। पीड़िता ने जिलाधिकारी से मामले की जांच कर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई कर धन वापस दिलाए जाने की मांग की है।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर युवा पत्रकार ने आयोजित किया विचार गोष्ठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर युवा पत्रकार प्रेसक्लब शोहरतगढ़ द्वारा चौधरी मैरिज हाल में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें युवा पत्रकार प्रेसक्लब शोहरतगढ़ तहसील अध्यक्ष सहित तहसील के वरिष्ठ पत्रकारों ने अपने विचार व्यक्त किये। युवा पत्रकार प्रेसक्लब के तहसील अध्यक्ष पत्रकार श्रवण कुमार ने ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। तहसील उपाध्यक्ष पत्रकार पियूष सिंह ने सम्बोधन में अपने अनुभवों को साझा करते हुए विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। युवा पत्रकार प्रेस क्लब के तहसील महामंत्री धर्मेंद्र कुमार चौधरी ने कहा कि संगठन भले ही अनेकों रहे किन्तु पत्रकारों से जुड़े मुद्दों पर

हम सभी को एकजुट रहना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्रा ने अपने सम्बोधन के दौरान पत्रकारिता के गिरते मूल्यों पर चिन्ता व्यक्त की तथा विभिन्न माध्यमों से समाचार प्रेषित करने वाले नई पीढ़ी को खूब अध्ययन करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि खबरों की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करें। युवा पत्रकार प्रेसक्लब के वरिष्ठ पत्रकार सरताज आलम ने पत्रकारों के हित में कोष में नियमित धन जमा करने का सुझाव रखा और अपने सम्बोधन के बाद सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस बैठक के दौरान अजीज अहमद, शैलेन्द्र प्रताप सिंह श्रीनेत, जीत बहादुर श्रीवास्तव, इसरार हुसैन, पंकज पाण्डेय, सुनीत खेतान, नसीर खान, रामानन्द पाण्डेय, सुग्रीव यादव, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, आलोक दुबे, अभिषेक शुक्ला, संतोष चौधरी, विनीत चौधरी, अर्जुन यादव, पवन पटेल सहित तमाम पत्रकार मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर डीएम व एसपी ने किया गया जनसुनवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के तहसील बांसी में सम्पूर्ण समाधान दिवस (तहसील दिवस) का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 की अध्यक्षता में एवं विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डा0 अभिषेक महाजन

सहित एसडीएम बांसी शशांक शेखर राय व क्षेत्राधिकारी बांसी मयंक प्रकाश की उपस्थिति में तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। बांसी तहसील समाधान दिवस के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई डीएम व एसडीएम तथा पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों की सुनवाई एसपी व सीओ द्वारा किया गया। डीएम ने तहसील समाधान दिवस बांसी में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नहीं होना चाहिए। यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 113 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए, जिसमें राजस्व–70, पुलिस विभाग से सम्बन्धित–09, विकास–23, समाज कल्याण–07, लोक निर्माण विभाग–01 व अन्य 03 प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत हुए। तहसील दिवस में प्राप्त शिकायती प्रार्थना–पत्रों के सम्बन्ध में जनता की समस्याओं को गम्भीरतापूर्वक सुना गया एवं उसके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया गया। डीएम ने राजस्व के 09 प्रार्थना–पत्र को मौके पर ही निस्तारित करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत–प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त तहसील समाधान दिवस कार्यक्रम के इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रकाश सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला कृषि अधिकारी मो0 मुजम्मिल, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, तहसीलदार बांसी, तहसील बांसी क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त थानाध्यक्ष एवं खण्ड विकास अधिकारी तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी के साथ तहसील बांसी क्षेत्र के प्रभारी निरीक्षक मौजूद रहे।

वाहन चोरों से सावधान...

सड़क के किनारे खड़ी बाइक हुई चोरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

ककरहवा। मोहाना थाना क्षेत्र के ककरहवा चौकी अंतर्गत खरहरा गांव के पास सड़क के किनारे खड़ी बाइक चोरी हो गई है। काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। थाना क्षेत्र के खरहरा निवासी अखिलेश पुत्र राम किशुन ने ककरहवा चौकी पर तहरीर देते हुए बताया कि शुक्रवार की दोपहर तीन बजे के करीब वह अपनी बाइक ककरहवा–बुढ़ा मार्ग पर सड़क के किनारे खड़ा कर अपने खेत में गये हुए थे। खेत से वापस आने पर मौके पर बाइक मौजूद नहीं थी। काफी तलाश के बाद भी उनकी बाइक का कुछ पता नहीं चल सका। थक हार कर बाइक चोरी की सूचना 112 नंबर पर दिया। ककरहवा चौकी प्रभारी धीरेंद्र यादव ने बताया कि तहरीर मिली है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जिलाध्यक्ष ने समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री से की मुलाकात

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अपना दल (एस) के संगठन की समीक्षा बैठक में जिला अध्यक्ष सिद्धार्थनगर श्याम सुन्दर चौधरी सहित जिले के पदाधिकारियों के साथ शुक्रवार को लखनऊ के गांधी प्रेक्षागृह में सम्मिलित हुआ। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष अपना दल (एस) पार्टी कार्यालय पर बहन अनुप्रिया पटेल और कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार आशीष पटेल से मुलाकात किया। वहीं पार्टी कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री ने अपना दल (एस) के संगठन की समीक्षा के दौरान दिशा–निर्देश दिये गये। इस अवसर पर पुष्कर चौधरी, जिलाध्यक्ष सिद्धार्थनगर श्याम सुन्दर चौधरी, कुलदीप चौधरी (जिला महासचिव सिद्धार्थनगर) एवं संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

वक्त की मांग है कि हम सीमा पार से चलाए जा रहे विभाजनकारी अभियानों को एकजुटता से विफल कर दें। हमारी किसी भी प्रतिक्रिया से ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि हम भारत के विरोधियों के मंसूबों को ही सींच रहे हैं। निस्संदेह, पहलगाम का आतंकी हमला हमारे मर्म पर हमला था, लेकिन जिस तरह की आवाज कश्मीर से आतंक के खिलाफ उठी, वैसे ही...

विनय नरवाल की विधवा सद्भाव के पक्ष में

ऐसे वक्त में जब पहलगाम हत्याकांड के बाद देश में गुस्से और आक्रोश का माहौल है, तब एक विवेक की आवाज का बुलंद होना सुखद ही है। पहलगाम के बैसरन मैदान में हुए नृशंस आतंकी हमले में नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की आतंकवादियों ने निर्मम हत्या कर दी थी। उनकी पत्नी हिमांशी नरवाल ने अपने जीवनभर सालने वाले दुख के बावजूद अपील की है कि इस आतंकी हमले के लिये जिम्मेदार अपराधियों के अलावा किसी को कोई सजा न मिले। विनय नरवाल के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में उन्होंने कहा 'हम नहीं चाहते कि लोग अल्पसंख्यकों व कश्मीरियों को अपने आक्रोश का शिकार बनाएं।' बाकायदा, उन्होंने इस मौके पर देश में शांति बनाये रखने और साम्प्रदायिक सद्भाव कायम रखने की जोरदार अपील की। जो उस सोच के विपरीत है जो पहलगाम के बैसरन में हुए नृशंस आतंकी हमले के बाद देश में उभारी जा रही है। दरअसल, हिमांशी ने उन उग्र सोच के लोगों को स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया, जो इस राष्ट्रीय त्रासदी का लाभ उठाकर साम्प्रदायिक प्रतिशोध की सोच को बढ़ावा दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आगरा में एक परेशान करने वाला मामला प्रकाश में आया, जहां एक बिरयानी विक्रेता की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर प्रचारित किया गया कि यह पहलगाम त्रासदी का प्रतिशोध है। निस्संदेह, ऐसी संकीर्ण मानसिकता का राजनीतिक और धार्मिक नेताओं द्वारा विरोध न किया जाना, अक्षम्य ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से ऐसी अप्रिय व परेशान करने वाली घटनाएं हमारे धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को ही नुकसान पहुंचाती हैं। खासकर उस ताने-बाने को, जो पहले से ही कमजोर पड़ रहा है। निर्विवाद रूप से कश्मीर के पहलगाम में हुई साम्प्रदायिक हत्याओं के जरिये आतंकवादियों का मुख्य मकसद देश में हिंदू-मुस्लिमों के बीच तनाव पैदा करके देश की एकता को कमजोर करना था। ऐसे में यदि हम भी उसी सोच के साथ प्रतिक्रिया देने लगें तो कहीं न कहीं हम परोक्ष रूप से आतंकवादियों के मंसूबों को ही पूरा कर रहे होंगे। यह निर्विवाद तथ्य है कि हमें इसी समाज में रहना है और बेहतर होगा कि हम तमाम संकीर्णताओं को त्यागकर और मिलजुलकर ही रहें। यदि हम आतंकवादियों की सोच का प्रतिकार उनके एजेंडे के अनुरूप करेंगे तो निश्चित ही गंगा-जमुनी संस्कृति को नुकसान पहुंचेगा। आतंकवादियों का मंसूबा जम्मू-कश्मीर ही नहीं पूरे देश में शांति को भंग करना था। ऐसी किसी भी संकीर्ण सोच को सामूहिक संकल्प से ही नाकाम किया जा सकता है। इसी तरह की सार्थक व प्रेरक प्रतिक्रिया गुरमेहर कौर की तरफ से आई, जिनके पिता वर्ष 1999 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ते हुए मारे गए थे। उन्होंने देशकाल-परिस्थितियों के अनुरूप प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आतंकवाद की असली हार तब ही होती है जब हम हिंसा की प्रतिक्रिया में खुद को विभाजित करने से मना कर देते हैं। निस्संदेह, राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में, नागरिकों को उन लोगों को दुरुस्त से दूर करना चाहिए, जो आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को उन तत्वों पर नकेल कसनी चाहिए, जो आतंकवादियों के जघन्य कृत्यों की कीमत निर्दोष लोगों से वसूलने पर तुले हुए हैं। निर्विवाद रूप से हमारी विवेकशील प्रतिक्रिया ही एक अखंड भारत की सोच ही आतंकवाद पर करारी चोट कर सकती है। वक्त की मांग है कि हम सीमा पार से चलाए जा रहे विभाजनकारी अभियानों को एकजुटता से विफल कर दें। हमारी किसी भी प्रतिक्रिया से ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि हम भारत के विरोधियों के मंसूबों को ही सींच रहे हैं। निस्संदेह, पहलगाम का आतंकी हमला हमारे मर्म पर हमला था, लेकिन जिस तरह की आवाज कश्मीर से आतंक के खिलाफ उठी, वैसे ही बुलंद आवाज हमें संकीर्ण सोच वाले तत्वों के खिलाफ मजबूती से उठानी चाहिए। देश में शांति-सौहार्द के लिये जरूरी है कि हम हिमांशी नरवाल की बड़ी सोच को विस्तार दें। जिन्होंने सब कुछ गंवाने के बावजूद राष्ट्र के साम्प्रदायिक सद्भाव व भाईचारे को तरजीह दी। यह समय की मांग भी है कि हम भारतीय संस्कृति की विश्व बंधुत्व की सोच को मजबूत करें।

जात न पूछो साधु की, पूछ लीजिए कुछ और...

सहीराम

मौका देखा तो धर्म ध्वजाधारियों ने कहा कि देखो पहलगाम के हत्यारे आतंकवादियों ने धर्म ही पूछा, जात नहीं पूछी। माफ कीजिए, यह तो जात वालों को ही लगा होगा वरना वे उन्हें नीचा थोड़े दिखाना चाहते थे कि तुम्हें कौन पूछ रहा है, किस गिनती में हो तुम, देखो आतंकवादी भी जात नहीं पूछते। साहित्य जगत में चचा गालिब से जुड़ा एक चुटकला बड़ा चलता है। चचा गालिब को आम बड़े पसंद थे। एक दिन वे गली में बैठे दोस्तों के साथ आम खा रहे थे कि तभी एक गधा उधर से गुजरा और वहां आम की गुठलियों को सूंघकर उसने छोड़ दिया। इस पर चचा के एक मित्र ने उन पर तंज करते हुए कहा कि देखिए हुजूर, गधे भी आम नहीं खाते। इसका जवाब चचा गालिब ने यूं दिया कि हां हुजूर, गधे ही आम नहीं खाते। इस चुटकले का अर्थ यह कदापि नहीं है कि बस आतंकवादी ही जात नहीं पूछते, वरना पंडित, ज्ञानी, बाबू साहब वगैरह तो सब जात ही पूछते हैं। धर्म ध्वजाधारियों का अहसान सा मानते हुए जात वालों ने कहा कि चलो कम से कम आप तो जात पूछ लेते हैं। इस पर धर्म ध्वजाधारी मान मेरा अहसान अरे नादान टाइप से मगन हुए। लेकिन जात वालों ने फिर कह ही दिया कि महाराज हमारे नेता तो धर्म ध्वजा फहराते हुए और जात का विरोध करते हुए कह रहे थे कि बंटोगे तो कटोगे। एक रहोगे तो सेफ रहोगे। फिर भी सेफ क्यों ना रहे? खैर जी, आतंकवादियों ने हत्याएं करते हुए धर्म ही पूछा, जात नहीं पूछी। वरना तो अपने यहां किसी को पानी पिलाते हुए और यहां तक कि रास्ता बताते हुए भी जात ही पूछी जाती है। बिना जात पूछे अपने यहां कोई काम न सधता। न शादी-ब्याह, न नौकरी-चाकरी। अपने यहां तो वोट भी जात पर ही मांगे जाते हैं और जात पर ही मिलते भी हैं। इसे सामाजिक समीकरण कहा जाता है। इसका अर्थ यह हुआ कि आतंकवादी सचमुच ही हमारे यहां के नहीं थे, पाकिस्तानी ही थे। जात जो नहीं पूछी। लेकिन अब सरकार जात पूछेगी। वह जाति जनगणना करेगी। विपक्ष के नेता बहुत दिन से इसकी मांग कर रहे थे। बार-बार कर रहे थे और कह रहे थे कि सरकार को हमारी बात माननी ही पड़ेगी। भाजपा वाले उनका मजाक उड़ा रहे थे कि जिसकी जात का पता नहीं, वह जातिगत जनगणना की बात कर रहा है। लेकिन अब सरकार ने उन्हीं की बात मान ली। जो लोग यह कहते हैं कि सरकार बात नहीं मानती, वे गलत हैं। सरकार ने तो तीन कृषि कानून वापस लेकर किसानों की बात भी मान ली थी। इस पर भक्त लोग नाराज हो जाते हैं। तब भी नाराज थे। अब भी नाराज हैं। किसानों की तो छोड़ो नेता प्रतिपक्ष की बात कैसे मान ली। यह कोई बात हुई।

मीडिया की आजादी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चुनौती

गौरतलब है कि 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' मनाने के लिए यूनेस्को की ओर से प्रत्येक वर्ष एक वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। इस वैश्विक सम्मेलन में सामान्यतः पत्रकारों, मीडिया नेताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी होती है। बता दें कि 2025 में यह सम्मेलन 5 से 7 मई तक ब्रूसेल्स में आयोजित होने वाला है, जिसमें पत्रकारिता में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका ...

चेतनादित्य आलोक

किसी भी देश अथवा समाज में स्वतंत्र मीडिया के बिना स्वस्थ लोकतंत्र को सुनिश्चित कर पाना संभव नहीं हो सकता, क्योंकि मीडिया वास्तव में लोकतंत्र का प्रहरी होता है। लोकतंत्र का ही क्यों, मीडिया तो राष्ट्र, मानवीय सभ्यता और संस्कृति, यहां तक कि मानवता का भी रक्षक होता है। आश्चर्य नहीं कि समय-समय पर भारत एवं दुनिया भर में मीडिया ने अपनी भागीदारी एवं भूमिकाओं से इसे सही साबित भी किया है। यही कारण है कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। समय बीतने के साथ-साथ मीडिया ने अपने पिछले अनुभवों के आधार पर अपनी भागीदारी एवं भूमिकाओं में अपेक्षित परिवर्तनों के साथ विस्तार दिया है।

मीडिया के कार्य करने का मुख्य आधार 'जनपक्षधरता' और इसका प्रधान उद्देश्य 'जनता में जागृति' लाना होता है और इन्हीं दोनों कारणों से मीडियाकर्मियों यानी पत्रकारों के लिए बिना रोक-टोक, विरोध और अड़चन के अपने कार्यों का निष्पादन कर पाना कभी भी सहज नहीं रहा है। दरअसल, जनपक्षधरता और जनता में जागृति लाने का कार्य अत्यंत जोखिम भरा होता है। इसीलिए दुनिया भर में प्रायः पत्रकारिता को बेहद जोखिम भरा कार्य माना जाता है।

दुर्भाग्य से, दिनोंदिन जोखिम बढ़ने के कारण विश्व भर के लोकतांत्रिक देशों में पत्रकारों के लिए निष्पक्ष रहकर कार्य कर पाना लगातार मुश्किल और जोखिम भरा होता जा रहा है। कई बार अपने कार्यों का निष्पादन करते हुए पत्रकारों को अपनी जान भी गंवानी पड़ती है। अब तक विश्व भर से ऐसे कई उदाहरण सामने आ भी चुके हैं। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2006 से 2020 के बीच दुनिया भर में 1,200 से अधिक मीडिया पेशेवरों की हत्या कर दी गई। इनमें से 90 प्रतिशत मामलों में उनके हत्यारे दंडित नहीं किए जा सके।

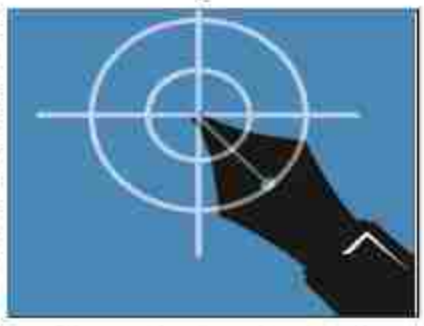

इसके बावजूद, पत्रकारिता के मानदंडों पर खरे उतरते हुए पत्रकार सत्य को उजागर करने की अपनी जिम्मेदारी निभाने को लेकर अपनी जान को जोखिम में डालने से भी नहीं हिचकते। अपनी जिंदगी को खतरे में डालकर कार्य करने वाले पत्रकारों की आवाज को कोई भी ताकत दबा न सके और उनके निष्पक्ष और सशक्त अभियानों पर कोई भी व्यक्ति, संस्थान या सरकार अंकुश न लगा सके, इसके लिए उनकी स्वतंत्रता बहुत जरूरी और अहम है। जाहिर है कि यदि वे स्वतंत्र नहीं रहेंगे तो अपने कार्यों को निष्पक्ष रहते हुए अच्छे ढंग से नहीं कर पाएंगे।

इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रेस की स्वतंत्रता के मूलभूत सिद्धांतों का पालन करने तथा पत्रकारों की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 3 मई को 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' मनाया जाता है। यह दिन उन पत्रकारों को स्मरण और सम्मानित करने तथा श्रद्धांजलि देने के लिए भी मनाया जाता है, जिन्होंने सत्य को उजागर करने की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है अथवा जिन्होंने देश-दुनिया में अपनी पत्रकारिता के दम पर अपना नाम बनाया और एक मुकाम हासिल किया है। प्रतिवर्ष रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) द्वारा प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक नामक एक वैश्विक सूची प्रकाशित की जाती है। इस सूची में विश्वभर के पत्रकारों को कार्य करने की उपलब्ध स्वतंत्रता के आधार पर देशों की रैंकिंग प्रस्तुत की जाती है। बता दें कि प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक रिपोर्ट 2024 में भारतीय पत्रकारों को लेकर चिंताजनक रुझान दिखाई दिए हैं। दरअसल, 2024 के इस सूचकांक में भारत विश्व भर के 180 देशों में 159वें स्थान पर मौजूद है, जो पिछली रिपोर्ट से भी नीचे है। रिपोर्ट में मीडिया स्वामित्व संकेन्द्रण, पत्रकारों का उत्पीड़न और इंटरनेट शटडाउन जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है।

गौरतलब है कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए यूनेस्को की ओर से प्रत्येक वर्ष एक वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। इस वैश्विक सम्मेलन में सामान्यतः पत्रकारों, मीडिया नेताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी होती है। बता दें कि 2025 में यह सम्मेलन 5 से 7 मई तक ब्रूसेल्स में आयोजित होने वाला है, जिसमें पत्रकारिता में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका और मीडिया स्वतंत्रता के लिए इसके निहितार्थों पर ध्यान केंद्रित किया जाना है।

यूनेस्को द्वारा वर्ष 2025 के लिए विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की थीम 'रिपोर्टिंग इन द ब्रेव न्यू वर्ल्ड -द इम्पैक्ट ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑन प्रेस फ्रीडम एंड द मीडिया' घोषित की गई है। इस थीम का उद्देश्य आधुनिक पत्रकारिता में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डालना है। गौरतलब है कि इस थीम के माध्यम से विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर तेजी से एआई-विनियमित डिजिटल वातावरण के भीतर मानव अधिकारों की रक्षा करने की तत्काल आवश्यकताओं पर जोर दिये जाने की संभावना है।

मध्य वर्ग के विरोधाभास और शिक्षा का बाजारीकरण

साझा सार्वजनिक चिंताओं के प्रति हमारी इस उदासीनता ने ही ऐसी स्थिति पैदा की है जिसमें हम तमाम सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की कम होती संख्या देख रहे हैं। उदाहरण के लिए, मेरे अपने स्कूल को ही लें, जिसने कभी मुझे मंत्रमुग्ध कर रखा था। आज जब मैं इस सरकारी स्कूल में जाता हूं, तो मैं हर जगह पसरा पतन देखता हूं खाली पड़ी कक्षाएं...

अविजित पाठक

जब हाल ही में मैंने राष्ट्रीय राजधानी में फीस में अनाप-शनाप वृद्धि-ट्यूशन फीस से लेकर वातानुकूलित कक्षाओं के लिए अतिरिक्त शुल्क तक के खिलाफ गुस्साए अभिभावकों की खबरें देखीं तो मेरे मन ने उन विरोधाभासों पर विचार करना शुरू कर दिया, जो तथाकथित तरक्कीपसंद एवं महत्वाकांक्षी वर्ग के जीवन-ढंग को परिभाषित करते हैं। हां, मैं समझ सकता हूं कि कोई फैंसी निजी स्कूल, जहां वे अपने बच्चों को शिक्षा के लिए भेजते हैं, यदि मनमाने ढंग से फीस बढ़ा दे, उनकी जरा सुनवाई न करे और उन्हें महंगी वर्दी, नोटबुक और गैर-एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकें खरीदने के लिए मजबूर करे, तो गुस्सा होने के उनके कारण वाजिब हैं। मेरी उस अभिभावक से पूरी सहानुभूति है, जब वह कहता है कि एक बंदे की कमाई पर चलने वाले परिवार के लिए 50,000 रुपये सालाना प्रति बच्चा का अतिरिक्त चुकाना बेहद मुश्किल हो जाएगा। फिर भी इन गुस्साए अभिभावकों से एक सवाल पूछे बिना मुझसे रहा नहीं जा रहा। क्या उन्हें नहीं पता था कि बच्चों को इन आलीशान निजी स्कूलों में भेजने का उनका फैसला शिक्षा के बाजारीकरण और वस्तुकरण को अपनी सहमति देने जैसा था? और क्या यह सच नहीं है कि हममें से कई लोग, जो इस वर्ग से हैं, क्या कभी उन्होंने कभी सरकार पर यह दबाव डालने की जहमत उठाई है कि सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल हमारे बच्चों को अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए सुसज्जित क्यों नहीं हैं? वास्तव में, इसकी बजाय जब मैं हर सुबह डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, सिविल सेवक, प्रोफेसर और अन्य पेशेवरों को अपने बच्चों के साथ वातानुकूलित स्कूल बसों का इंतजार करते हुए देखता हूं और ठीक इसी वक्त फटे-मटमैले कपड़ों में कुपोषित बच्चे पास के नगरपालिका स्कूलों की ओर जा रहे होते हैं, मैं एक अन्य तल्ख हकीकत देख रहा होता हूं, जो अत्यधिक असमान व विषमता भरे इस देश की विशेषता है। शायद ही कभी ये दोनों दुनिया आपस में मिलती हों। वास्तव में, हम यह विलय करना ही नहीं चाहते थे। एक सुचालित सार्वजनिक क्षेत्र के लिए हमने मिलकर लड़ाई लड़ी ही नहीं। इसकी बजाय, हमने खुद को हर उस चीज से अलग करना शुरू कर दिया जो 'सार्वजनिक' है। सार्वजनिक परिवहन की बजाय अपने निजी वाहन या सरकारी अस्पतालों की बजाय निजी नर्सिंग होम तक रु हमने खुद को गरीबों, वंचितों और निम्न मध्यम वर्ग के संघर्षों से किनारा कर लिया। इसका नतीजा यह है कि सरकार भी सामाजिक रूप से सार्थक सभी कल्याणकारी परंपराओं से दूर होती जा रही है।

इसलिए, कुछ हद तक यह पाखंड लगता है जब हम इस पर रोष करने लगें कि नई दिल्ली के एक जाने-माने निजी स्कूल की वार्षिक ट्यूशन फीस (विकास, परीक्षा शुल्क और परिवहन जैसे अतिरिक्त शुल्कों के अलावा) 2 लाख रुपये है। यह सोच कुछ वैसी ही है कि यदि आप और मैं गुहार करें और अपनी वित्तीय कठिनाइयों की कहानियां बताएं तो कोई फैंसी कॉर्पोरेट अस्पताल पसीज कर अपना शुल्क घटा देगा! यह वास्तव में चिंता का विषय है कि हमारे सार्वजनिक स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय तेजी से कम हो रहे हैं और निजी उद्यम कुकुरमुत्तों की भांति तेजी से उग रहे हैं। संभवत, मेरी पीढ़ी कुछ हद तक भाग्यशाली थी। जी हां, मैं पश्चिम बंगाल के एक बांग्ला-माध्यम सरकारी विद्यालय में पढ़ा हूं। हमारे स्कूल में हम धाराप्रवाह अंग्रेजी में बात नहीं करते थे, हमारे पास वह सब नहीं था जिसे आज वाली पीढ़ी एक जरूरी 'सांस्कृतिक पूंजी' मानती है रु वे प्रतीक और चाल-चलन, जो हमें हर उस चीज से अलग करे जो 'सामान्य' है। और फिर भी, मुझे यह कहने में जरा संकोच नहीं है कि हमें काफी हद तक बढ़िया शिक्षकों की संगति मिली, और हमारा शैक्षणिक कौशल काफी संतोषजनक रहा। इसके अलावा, इस सरकारी स्कूल में मैंने विविधता और बहुलता के पसमानद का अनुभव किया। मेरे दोस्त अलग-अलग जातियों, वर्गों और धर्मों से थे। अमीर और गरीब के बीच कोई भेदभाव नहीं था। वास्तव में, जो लोग निजी स्कूलों के सामने फीस वृद्धि का विरोध कर रहे हैं, उन्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि जब मैंने 1974 में अपनी बोर्ड परीक्षा दी थी, तब ट्यूशन फीस मात्र 5 रुपये प्रति माह थी! संभवत, 'सामान्य स्कूलों' वाली महान दृष्टि जो कोठारी शिक्षा आयोग, 1966 की सिफारिशों की विशेषता थी, तब तक भी जीवित थी। भारत गरीब था लेकिन तब भी, 'प्रगति और विकास' के नवउदारवादी सिद्धांत में छिपा बाजार-कट्टरवाद का तर्क इतने स्पष्ट रूप से उभरा नहीं था। सरकारी स्कूलों से लेकर समावेशी और किफायती सार्वजनिक विश्वविद्यालयों तक की हमारी यह यात्रा, भले ही परिपूर्ण न हो, लेकिन इसने हमें सिखाया कि किस प्रकार समाजवादी व कल्याणकारी नीतियों के बिना, भारत असमानता और शोषण के अभिशाप को दूर करने, एक लोकतांत्रिक और समतावादी राष्ट्र की ओर नहीं बढ़ सकता। हालांकि, हमारे समय में भी, नवउदारवादी बाजार कट्टरवाद की चमक-दमक ने हमउम्रों को भी बहकाया है। कोई आश्चर्य नहीं कि हम सरकार से कुछ भी ठोस मांग नहीं करते हैं। इसकी बजाय, हमने यह स्वीकार लिया है कि लगभग हर वह चीज- चाहे शिक्षा हो या स्वास्थ्य, यहां तक कि शुद्ध हवा भी- एक वस्तु भर है और अगर आपके और मेरे पास पैसा है, तो हम इसे खरीद सकते हैं। 'सार्वजनिक मुद्दों के निजी समाधानों' में यह नवउदारवादी विश्वास इतना गहरा पैठ चुका है कि हम सरकार से कुछ भी ठोस मांगना भूल गए हैं। हमें अपने विरोधाभासों को स्वीकार करना होगा। हम चाहते हैं कि ये शिक्षा की दुकानें अपने पैकेज्ड यानी कमोडिफाइड शिक्षा की कीमत कम करें। हालांकि, सरकार से यह मांग करना कि जो टैक्स हम भरते हैं, उसका सही इस्तेमाल किया जाए ताकि कम से कम किफायती, समावेशी और अच्छी गुणवत्ता वाले सरकारी स्कूल, सरकारी विश्वविद्यालय और सरकारी अस्पताल मिल सकें, इस हक के वास्ते सड़क पर उतरना हमें मंजूर नहीं।

कार्यालय : ग्रा.पं.– कोड़रीताल, वि.खं.– पयागपुर, जनपद– बहराइच

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025–26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कोड़रीताल विकास खण्ड–पयागपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज–2/आर.जी.एस.ए. के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री चारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनवाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अन्त्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, कूड़ा स्थापना, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी भराई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों के स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों–प्रथम श्रेणी ईंट, सीमा खंजड़ ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, टाइल्स, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम., पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्ट्रीट लाइट, 80 एम.एम. इन्टरलॉकिंग ईंट, पेंट, साइन बोर्ड, समोसम, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई–रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टैंकिया, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सी.सी.टी.वी. कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैग, मलबा अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मों से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 09/05/2025 अपराह्न 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपराह्न 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु–5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बी.डी.ओ., जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 12. धरोहर की धनराशि नगद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ.डी. एवं एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत कोड़रीताल के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कोड़रीताल कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कोड़रीताल के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
मिश्री लाल	**रवीन्द्र तिवारी**
ग्रा.पं.–कोड़रीताल,	ग्रा.पं.–कोड़रीताल,
वि.ख.–पयागपुर, बहराइच	वि.ख.–पयागपुर, बहराइच

कार्यालय : ग्रा.पं.– लालपुर, वि.खं.– पयागपुर, जनपद– बहराइच

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025–26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत लालपुर विकास खण्ड–पयागपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज–2/आर.जी.एस.ए. के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री चारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनवाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अन्त्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, कूड़ा स्थापना, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी भराई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों के स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों–प्रथम श्रेणी ईंट, सीमा खंजड़ ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, टाइल्स, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम., पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्ट्रीट लाइट, 80 एम.एम. इन्टरलॉकिंग ईंट, पेंट, साइन बोर्ड, समोसम, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई–रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टैंकिया, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सी.सी.टी.वी. कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैग, मलबा अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मों से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 19/05/2025 अपराह्न 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपराह्न 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु–5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बी.डी.ओ., जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 13. धरोहर की धनराशि नगद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ.डी. एवं एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत लालपुर के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत लालपुर कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत लालपुर के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
राजित राम	**वात्सल्य**
ग्रा.पं.–लालपुर,	ग्रा.पं.–लालपुर,
वि.ख.–पयागपुर, बहराइच	वि.ख.–पयागपुर, बहराइच

कार्यालय : ग्रा.पं.– नारायनपुर, वि.खं.– पयागपुर, जनपद– बहराइच

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025–26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत नारायनपुर विकास खण्ड–पयागपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज–2/आर.जी.एस.ए. के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री चारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनवाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अन्त्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, कूड़ा स्थापना, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी भराई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों के स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों–प्रथम श्रेणी ईंट, सीमा खंजड़ ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, टाइल्स, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम., पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्ट्रीट लाइट, 80 एम.एम. इन्टरलॉकिंग ईंट, पेंट, साइन बोर्ड, समोसम, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई–रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टैंकिया, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सी.सी.टी.वी. कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैग, मलबा अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मों से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 07/05/2025 अपराह्न 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपराह्न 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु–5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बी.डी.ओ., जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 13. धरोहर की धनराशि नगद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ.डी. एवं एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत नारायनपुर के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत नारायनपुर कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत नारायनपुर के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
सन्तोष कुमार	**रवीन्द्र तिवारी**
ग्रा.पं.–नारायनपुर,	ग्रा.पं.–नारायनपुर,
वि.ख.–पयागपुर, बहराइच	वि.ख.–पयागपुर, बहराइच

कार्यालय : ग्रा.पं.– मचनगरा, वि.खं.– पयागपुर, जनपद– बहराइच

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025–26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मचनगरा विकास खण्ड–पयागपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज–2/आर.जी.एस.ए. के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री चारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनवाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अन्त्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, कूड़ा स्थापना, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी भराई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों के स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों–प्रथम श्रेणी ईंट, सीमा खंजड़ ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, टाइल्स, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम., पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्ट्रीट लाइट, 80 एम.एम. इन्टरलॉकिंग ईंट, पेंट, साइन बोर्ड, समोसम, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई–रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टैंकिया, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सी.सी.टी.वी. कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैग, मलबा अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मों से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 08/05/2025 अपराह्न 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपराह्न 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु–5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बी.डी.ओ., जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 13. धरोहर की धनराशि नगद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ.डी. एवं एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत मचनगरा के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत मचनगरा कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत मचनगरा के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
इन्द्र प्रताप सिंह	**जय प्रकाश सिंह**
ग्रा.पं.–मचनगरा,	ग्रा.पं.–मचनगरा,
वि.ख.–पयागपुर, बहराइच	वि.ख.–पयागपुर, बहराइच

कार्यालय : ग्रा.पं.– बैनी, वि.खं.– पयागपुर, जनपद– बहराइच

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025–26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बैनी विकास खण्ड–पयागपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज–2/आर.जी.एस.ए. के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री चारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनवाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अन्त्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, कूड़ा स्थापना, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी भराई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों के स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों–प्रथम श्रेणी ईंट, सीमा खंजड़ ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, टाइल्स, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम., पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्ट्रीट लाइट, 80 एम.एम. इन्टरलॉकिंग ईंट, पेंट, साइन बोर्ड, समोसम, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई–रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टैंकिया, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सी.सी.टी.वी. कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैग, मलबा अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मों से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 10/05/2025 अपराह्न 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपराह्न 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु–5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बी.डी.ओ., जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 13. धरोहर की धनराशि नगद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ.डी. एवं एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत बैनी के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत बैनी कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत बैनी के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
नेबी	**श्यामजी ओझा**
ग्रा.पं.–बैनी,	ग्रा.पं.–बैनी,
वि.ख.–पयागपुर, बहराइच	वि.ख.–पयागपुर, बहराइच

कार्यालय : ग्रा.पं.– शिवदहा, वि.खं.– पयागपुर, जनपद– बहराइच

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025–26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत शिवदहा विकास खण्ड–पयागपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज–2/आर.जी.एस.ए. के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री चारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनवाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अन्त्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, कूड़ा स्थापना, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी भराई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों के स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों–प्रथम श्रेणी ईंट, सीमा खंजड़ ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, टाइल्स, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम., पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्ट्रीट लाइट, 80 एम.एम. इन्टरलॉकिंग ईंट, पेंट, साइन बोर्ड, समोसम, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई–रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टैंकिया, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सी.सी.टी.वी. कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैग, मलबा अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मों से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 05/05/2025 अपराह्न 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपराह्न 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु–5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बी.डी.ओ., जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 13. धरोहर की धनराशि नगद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ.डी. एवं एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत शिवदहा के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत शिवदहा कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत शिवदहा के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
पचरननाथ	**श्याम जी ओझा**
ग्रा.पं.–शिवदहा,	ग्रा.पं.–शिवदहा,
वि.ख.–पयागपुर, बहराइच	वि.ख.–पयागपुर, बहराइच

कार्यालय : ग्रा.पं.– सेमरियांवा, वि.खं.– पयागपुर, जनपद– बहराइच

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025–26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सेमरियांवा विकास खण्ड–पयागपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज–2/आर.जी.एस.ए. के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री चारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनवाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अन्त्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, कूड़ा स्थापना, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी भराई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों के स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों–प्रथम श्रेणी ईंट, सीमा खंजड़ ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, टाइल्स, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम., पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्ट्रीट लाइट, 80 एम.एम. इन्टरलॉकिंग ईंट, पेंट, साइन बोर्ड, समोसम, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई–रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टैंकिया, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सी.सी.टी.वी. कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैग, मलबा अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मों से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 21/05/2025 अपराह्न 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपराह्न 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु–5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बी.डी.ओ., जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 12. धरोहर की धनराशि नगद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ.डी. एवं एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत सेमरियांवा के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत सेमरियांवा कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत सेमरियांवा के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
सीमा वर्मा	**रवि शुक्ला**
ग्रा.पं.–सेमरियांवा,	ग्रा.पं.–सेमरियांवा,
वि.ख.–पयागपुर, बहराइच	वि.ख.–पयागपुर, बहराइच

कार्यालय : ग्रा.पं.– उधरना ठकुराइन, वि.खं.– पयागपुर, जनपद– बहराइच

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025–26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत ऊधरना ठकुराइन विकास खण्ड–पयागपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज–2/आर.जी.एस.ए. के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री चारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनवाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अन्त्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, कूड़ा स्थापना, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी भराई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों के स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों–प्रथम श्रेणी ईंट, सीमा खंजड़ ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, टाइल्स, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम., पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्ट्रीट लाइट, 80 एम.एम. इन्टरलॉकिंग ईंट, पेंट, साइन बोर्ड, समोसम, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई–रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टैंकिया, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सी.सी.टी.वी. कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैग, मलबा अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मों से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 13/05/2025 अपराह्न 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपराह्न 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु–5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बी.डी.ओ., जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 13. धरोहर की धनराशि नगद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ.डी. एवं एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत ऊधरना ठकुराइन के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत ऊधरना ठकुराइन कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत ऊधरना ठकुराइन के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
सुशील कुमार	**अमृतांशु सिंह**
ग्रा.पं.–ऊधरना ठकुराइन,	ग्रा.पं.–ऊधरना ठकुराइन,
वि.ख.–पयागपुर, बहराइच	वि.ख.–पयागपुर, बहराइच

कार्यालय : ग्रा.पं.– तालाब बघेल, वि.खं.– पयागपुर, जनपद– बहराइच

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025–26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत तालाब बघेल विकास खण्ड–पयागपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज–2/आर.जी.एस.ए. के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री चारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनवाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अन्त्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, कूड़ा स्थापना, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी भराई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों के स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों–प्रथम श्रेणी ईंट, सीमा खंजड़ ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, टाइल्स, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम., पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्ट्रीट लाइट, 80 एम.एम. इन्टरलॉकिंग ईंट, पेंट, साइन बोर्ड, समोसम, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई–रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टैंकिया, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सी.सी.टी.वी. कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैग, मलबा अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मों से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 14/05/2025 अपराह्न 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपराह्न 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु–5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बी.डी.ओ., जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 13. धरोहर की धनराशि नगद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ.डी. एवं एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत तालाब बघेल के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत तालाब बघेल कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत तालाब बघेल के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
सीता हालदार	**जय प्रकाश सिंह**
ग्रा.पं.–तालाब बघेल,	ग्रा.पं.–तालाब बघेल,
वि.ख.–पयागपुर, बहराइच	वि.ख.–पयागपुर, बहराइच

जमीन पर जबरिया कब्जे का आरोप : उच्चाधिकारियों से लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के मूड़घाट निवासी रामजनम पुत्र रामकेवल ने मुख्यमंत्री, मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर अपने पैतृक जमीन पर पुलिस के सहयोग से हरिश्चन्द्र चौहान द्वारा कराये जा रहे अवैध कब्जे पर रोक लगाने की मांग किया है। उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में रामजनम और उनके पुत्र राजेश कुमार चौहान ने कहा है कि मूड़घाट स्थित उसकी पुश्तैनी जमीन पर गांव के ही हरिश्चन्द्र चौहान पुलिस से मिलीभगत कर जमीन पर जबरिया कब्जा करा लेने का षड्यंत्र कर रहे हैं। पुलिस ने जमीनी मामले में बिना तथ्यों की जांच कराये रामजनम, बृजेश चौहान, सुरेश चौहान, दुलारी चौहान को कोतवाली बुलाया और दूसरे पक्ष हरिश्चन्द चौहान को छोड़ दिया गया। रामजनम ने मांग किया है कि जमीन की पैमाइश कराने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाय। रामजनम सहित 4 लोगों का पुलिस ने चालान कर दिया।

एक दिवसीय जनपद भ्रमण पर पहुंचे प्रभारी मंत्री

श्रावस्ती (आरएनएस)। प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग, उ0प्र0जनपद के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल जी एक दिवसीय भ्रमण हेतु जनपद के तहसील जमुनहा के अन्तर्गत सत्य नारायण उच्च शिक्षा संस्थान, तुलसीपुर पहुंचे। तत्पश्चात् मंत्रीने प्रबुद्ध लोगों के साथ "एक देश एक चुनाव" विषयक संगोष्ठी कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

तदोपरान्त मंत्री विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत ग्राम लैबुढ़वा पहुंचे। इस दौरान विधायक रामफेरन पाण्डेय, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद ने उनका स्वागत किया। तत्पश्चात् प्रभारी मंत्री जी ने ग्राम समूह लैबुढ़वा के राप्ती नदी के दायें तट पर कटाव निरोधी कार्य की परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होने कहा कि यह जनपद सम्भावित बाढ़ के दृष्टिकोण से संवेदनशील है, इसलिए जो भी कटान निरोधी कार्य किये जा रहे हैं, सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उन्हें तत्काल पूरा कराएं, ताकि आमजन को बाढ़ से बचाव हेतु सहूलियत मिल सके। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि नई परियोजनाओं हेतु शासन को पत्र प्रेषित कर कार्यवाही की जाए। मंत्री ने राप्ती नदी के तट पर जाकर कटान निरोधी कराये जा रहे कार्य के गुणवत्ता की भी जांच की, और वहीं पर उपस्थित सम्बन्धित अभियंता को निर्देश दिया कि जिले में राप्ती नदी के अन्य घाटों पर जो भी कटान निरोधी कार्य कराये जा रहे हैं, उन्हें गुणवत्तापूर्ण ढंग से युद्धस्तर पर कार्य कराकर वर्षा ऋतु से पहले ही पूरा कराया जाए, ताकि सम्भावित बाढ़ आने पर किसी भी दशा में कटान को रोका जा सके। उन्होने सम्बन्धित विभाग के अभियंताओं को निर्देश दिया कि जिले में बांधों का निर्माण कार्य एवं घाटों पर चल रहे कटान निरोधी कार्यों के निरन्तर मानिटरिंग करके पूरा कराया जाए।

बहराइच जिले के विभिन्न तहसीलों में "सम्पूर्ण समाधान दिवस" का किया गया आयोजन

बहराइच। नानपारा: जनपद के प्रत्येक तहसील स्तर पर 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी बहराइच मोनिका रानी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा तहसील नानपारा में उपस्थित रहकर सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की गई। इस दौरान फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच कर विधिक निस्तारण करने तथा निस्तारित प्रार्थना पत्रों की आख्या समय से प्रेषित करने के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा कुछ शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित कर मौके पर जाकर जाँचकर निस्तारण करने हेतु रवाना किया गया। इस दौरान प्रशासन, पुलिस व अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे। पयागपुर: पयागपुर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का उप जिलाधिकारी बहराइच की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसके अंतर्गत सुदूर क्षेत्रों से विभिन्न समस्याओं को लेकर जनता ने अधिकारियों के समक्ष समस्या के समाधान के लिए प्रार्थना पत्र देकर अनुरोध किया। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जमीन संबंधी बरसात मैंगड़ा चक रोड तथा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण संबंधित प्रार्थना पत्र आए इस पर अधिकारियों ने सुनवाई कर कुछ शिकायत का निस्तारण करने के लिए टीम गठित कर मौके पर जाकर जांच करने हेतु रवाना किया और कुछ शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया।

आम जनता की आवाज है पत्रकार : डा. वी.के. वर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पत्रकारिता केवल समाचार देने का माध्यम नहीं है, यह समाज को दिशा देने वाला स्तंभ है। पत्रकार सच्चाई उजागर करते है और आम जनता की आवाज है। यह विचार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन जिलाध्यक्ष डा वी. के. वर्मा ने हिन्दी प्रेस दिवस के अवसर पर व्यक्त किया। डा. वर्मा ने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में पत्रकारों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पत्रकारिता एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर और यूट्यूब जैसे माध्यमों ने खबरों को तुरंत आम जनता तक पहुंचाने में मदद की है। लेकिन इसके साथ ही फेक न्यूज और प्रोपेगेंडा जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। ऐसे में जिम्मेदार और तथ्य आधारित पत्रकारिता की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। पत्रकारों को समाज और सरकार के बीच सेतु की भूमिका निभाते हुये रचनात्मक पहल करना होगा। कहा कि हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि एक अवसर है यह सोचने का कि हम एक पत्रकार के रूप में, एक पाठक के रूप में और एक समाज के रूप में कितने जागरूक हैं। पत्रकारिता को सुरक्षित, स्वतंत्र और जिम्मेदार बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

डीएम ने सांथा विकासखंड पहुंचकर सुविधाओं का लिया जायजा, दिया निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा सांथा विकासखंड अंतर्गत परसामाफी मंदिर (महाराज जी की छावनी), सद्भाव मंडपम, पाइप्ड पेयजल योजना अंतर्गत निर्मित ओवरहेड टैंक का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे जिलाधिकारी ने परसामाफी मंदिर (महाराज जी की छावनी) पहुंचकर निरीक्षण के दौरान राजकीय विद्यालय परसामाफी से महाराज जी की छावनी तक सड़क का चौड़ीकरण करने हेतु कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया। परसामाफी में निर्मित सद्भाव मंडपम के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आवश्यक कार्य पूर्ण कर जिला पंचायत को हैंडओवर करने हेतु संबंधित को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत द्वारा कराए जा रहे अंत्येष्टि स्थल का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी द्वारा तालाब एवं मंदिर का जीर्णोद्धार कराए जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने परसामाफी से जल निगम विभाग द्वारा संचालित पाइप्ड पेयजल योजना के अंतर्गत निर्मित ओवरहेड टैंक का भी निरीक्षण किया तथा प्रत्येक घर को पानी के कनेक्शन से आच्छादित करने हेतु संबंधित संस्था को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गांव में संचालित योजनाओं की भौतिक प्रगति की समीक्षा की और ग्रामवासियों से सीधा संवाद कर जमीनी हकीकत जानी। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय निर्माण, सड़क निर्माण और अन्य बुनियादी सुविधाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की भी जांच की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने पारदर्शिता और समयबद्धता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुसार विभिन्न विभागों द्वारा संचालित समस्त जनकल्याणकारी एवं लाभार्थीपरक योजनाओं का लाभ आम जनमानस को मिलना चाहिए। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी मेंहदावल संजीव राय, जिला पंचायत राज अधिकारी, खंड विकास अधिकारी श्वेता वर्मा, अधिशासी अभियंता, महाप्रबंधक सेतु निगम सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

इस बार नहीं होगा जेठ मेले का आयोजन, प्रशासन ने सुरक्षा कारणों के चलते मेले पर लगाई रोक

दैनिक बुद्ध का सन्देश/ वास्त्र तिवारी

बहराइच। सैयद सालार मसूद गाजी (गाजी मियां) की दरगाह पर इस वर्ष परंपरागत मेले का आयोजन नहीं किया जाएगा। जिला प्रशासन ने सुरक्षा कारणों के चलते मेले की अनुमति देने से इनकार कर दिया। बताया जा रहा है कि यह पहली बार होगा जब सैकड़ों वर्षों से लगने वाला यह मेला स्थगित किया गया है।

प्रशासन ने सुरक्षा कारणों के नाते नहीं दी मंजूरी

सिटी मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर और सीओ सिटी मधुप सिंह ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर मेले को अनुमति न देने की पुष्टि की। दरगाह प्रबंध समिति ने मेले के आयोजन के लिए प्रशासन से अनुमति मांगी थी, लेकिन अधिकारियों द्वारा की गई समीक्षा और सुरक्षा रिपोर्ट के आधार पर आयोजन को मंजूरी नहीं दी गई क्योंकि एल आई यू ने 12 पेज की रिपोर्ट बनाकर गोंडा कमिश्नर और डीजीपी को भेजा था। प्रशासन का कहना है कि हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसे में किसी भी बड़े आयोजन में कानून-व्यवस्था को लेकर खतरा बढ़ सकता है।

संभावित विरोध प्रदर्शनों की आशंका बरकरार

लोकल इंटेलिजेंस यूनिट की रिपोर्ट में भी यह सिफारिश की गई है कि देश के वर्तमान हालातों को देखते हुए मेले जैसे बड़े आयोजनों से बचा जाए। रिपोर्ट में मेले में संभावित विरोध प्रदर्शनों की आशंका जताई गई।

विभिन्न हिंदू संगठनों ने जेठ मेला आयोजन का किया था विरोध

विभिन्न हिंदू संगठनों बजरंग दल, शिवसेना ,परशुराम सेना, सवर्ण आर्मी, करणी दल के द्वारा जेठ मेला के आयोजन को लेकर बहराइच शहर में विरोध प्रदर्शन किया गया तथा जिला अधिकारी को विभिन्न संगठनों के द्वारा ज्ञापन भी सौंपा गया। विभिन्न हिंदू संगठनों के द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में सैयद सालार मसूद गाजी को आक्रांता कहा गया। मालूम हो कि यह मेला हर साल 15 मई से 15 जून तक लगता था, जिसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग बड़ी संख्या शामिल होते थे तथा दूर-दूर से ध्वज चढ़ाने के लिए जायरीन आते थे लेकिन इस बार प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अनुमति न देने का निर्णय लिया गया।

पुलिस अधीक्षक बस्ती ने किया हर्रैया का औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पुलिस अधीक्षक बस्ती अभिनंदन द्वारा थाना हर्रैया का आकस्मिक निरीक्षण किया गया एवं उससे संबंधित लोगों को आवश्यक निर्देश दिया गया। एसपी द्वारा निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, मालखाना, शस्त्रागार, स्टोर रूम, हवालात, बंदी गृह कक्ष, सीसीटीएनएस कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क,वाहन व परिसर की साफ-सफाई एवं अभिलेखों के उचित रख-रखाव हेतु प्रभारी निरीक्षक हर्रैया को निर्देशित किया गया तथा उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण को शांति, सुदृढ़ कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया एसपी बस्ती द्वारा महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था, सुविधा सम्मान और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए थाना हर्रैया में बन रहे नवनिर्मित पिंक बूथ का आकस्मिक निरीक्षण भी किया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी हर्रैया, प्रभारी निरीक्षक हर्रैया सहित अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

10 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जनपद न्यायाधीश महेन्द्र प्रसाद चौधरी के निर्देशन में आगामी 10 मई 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के तैयारियों के दृष्टिगत जनपद के समस्त प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जनपद न्यायालय सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता अपर जनपद न्यायाधीश-पॉक्सो/ नोडल अधिकारी लोक अदालत ज्ञान कुमार-I द्वारा किया गया। बैठक में नोडल अधिकारी ने समस्त प्रशासनिक अधिकारियों से आवाहन किया कि वह अपने-अपने विभाग एवं कार्यालय में दिनांक 10 मई 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन कर ज्यादा से ज्यादा वादों एवं मामलों का निस्तारण करवाने का प्रयास करें। कलेक्ट्रेट से प्रभारी अधिकारी उत्कर्ष श्रीवास्तव द्वारा बताया गया की राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित समस्त तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं तथा ज्यादा से ज्यादा वादों एवं मामलों का निस्तारण के लिए प्रयास किया जा रहा है। पुलिस विभाग से अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि न्यायालय से प्राप्त हो रहे हैं नोटिसों को तामिला करवाया जा रहा है एवं समस्त थानों के पैरोकारों को ज्यादा से ज्यादा नोटिस तामिला करवाने हेतु निर्देशित किया गया है। अपर जिला जज/ सचिव देवेंद्र नाथ गोस्वामी ने कहा कि आगामी 10 मई 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आप सभी अधिकारियों से सहयोग की अपेक्षा है। इस अवसर पर जिला आबकारी अधिकारी संजय कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी राजीव कुमार, तहसीलदार धनघटा योगेंद्र कुमार पांडेय, नायब तहसीलदार प्रियंका तिवारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, उप प्रभागीय वन अधिकारी, बाट माप विभाग से दिनेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

बगुलहवा ग्राण्ट में एहतेरामे इंसानियत कान्फ्रेंस आज

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। स्थानीय तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत बगुलहवा ग्रान्ट में आज 04 मई की शाम सात बजे एक दिवसीय "एहतेरामे इंसानियत कान्फ्रेंस" का आयोजन किया गया है। जिसमें देश के प्रसिद्ध इस्लामिक धर्मगुरू मानवता के सम्मान पर प्रकाश डालेंगे। उक्त जानकारी बगुलहवा ग्रान्ट निवासी नूर आलम इदरीसी व जलसा कमेटी ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

आकस्मिक निरीक्षण के दौरान जिला कारागार में कैदियों को मिल रही सुविधाओं का लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जिला कारागार का आज जिलाधिकारी बहराइच मोनिका रानी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान कारागार में कैदियों हेतु सुविधाओं व व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी

एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्पूर्ण कारागार परिसर का भ्रमण कर पुरुष बैरक, महिला बैरक, बंदी पाकशाला, क्रीड़ा स्थल और अस्पताल वार्ड का जायजा लिया गया तथा बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और कारागार की साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया गया। इस दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जेल अधीक्षक को निर्देश दिए गए कि वे नियमित रूप से कारागार का निरीक्षण करते रहें, शातिर बंदियों पर विशेष नजर बनाये रखें तथा साथ ही समय-समय पर बंदियों की गतिविधियों की जानकारी देने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरों को निरंतर क्रियाशील रखने और जेल मैनुअल के अनुसार सभी व्यवस्थाएं बनाए रखने हेतु भी बताया गया।

वक्फ संसोधन विधेयक कमजोर वर्ग मुस्लिम महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रूप से मजबुत करेगा: अशोक चौरसिया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। वक्फ सुधार जनजागरण अभियान हेतु अल्पसंख्यक प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम सुनश्री पैलेस राबर्ट्सगंज पर शनिवार को सम्पन्न हुआ संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि काशी क्षेत्र केक्षेत्रीय महामंत्री अशोक चौरसिया व विशिष्ट अतिथि के रूप मे क्षेत्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा अब्दुल कलाम अंसारी जी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर मुख्यअतिथि अशोक चौरसिया, अब्दुल कलाम अंसारी, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल व संचालन जिला महामंत्री ,श्याममुरारी गुप्ता ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष महामंत्री अशोक चौरसिया ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 कमजोर वर्ग एवं मुस्लिम महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रूप से मजबूत करने मे सहायक साबित होगा। आगे कहा कि वक्फ इस्लामी कानून के अंतर्गत स्थापित एक अपरिवर्तनीय धर्मार्थ निधि है, जिसे भारत में वक्फ

अधिनियम 1995 के तहत मान्यता प्राप्त और विनियमित किया जाता है। वक्फ बोर्ड और उनके द्वारा नियंत्रित सम्पत्तियाँ भारत में इस्लामिक जीवन के महत्वपूर्ण अंग हैं, क्योंकि वे अनगिनत मस्जिदों, धार्मिक और परोपकारी संस्थानों के संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं। साथ में उन्होंने यह भी बताया कि 2018 की केंद्रीय वक्फ परिषद रिपोर्ट के अनुसार भारत में 8 लाख एकड़ से अधिक वक्फ संपत्ति है जिसकी अनुमानित कीमत रू0 10 लाख करोड़ से अधिक है। यू0पी0ए0 सरकार द्वारा प्रस्तुत वक्फ संशोधन अधिनियम, 2013 ने वक्फ बोर्ड की शक्तियों का विस्तार करके मनमाने ढंग से भूमि अधिग्रहण को सक्षम करके सम्पत्ति के अधिकारों को कमजोर कर दिया। इसमें पारदर्शिता की कमी और हितधारकों की चिंताओं को नजर अंदाज करने के साथ ही बिना किसी नियम कानून के फैसले किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि अब्दुल कलाम अंसारी ने कहा कि जैसे-राज्य- वित्तपोषित सर्वेक्षण और वक्फ संपत्ति पर प्रतिबंध राज्य सरकार के अधिकार और गैर-मुस्लिम दान को शामिल करने की सीमाएं, वक्फ परिषद की बढ़ी शक्तियां और वक्फ संपत्ति पर लेनदेन पर प्रतिबंध, राज्यों पर बोझ और मनमाने भूमि दावे, यू0पी0ए0 सरकार द्वारा 2014 के विधेयक में वक्फ बोर्ड को और अधिक व्यापक शक्ति देने का प्रस्ताव किया गया के साथ - साथ अनेकों वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 की मुख्य विशेषताओं पर विस्तृत चर्चा किया। वक्फ संशोधन विधेयक 2025 कमजोर वर्ग एवं मुस्लिम महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रूप से मजबूत करने मे सहायक साबित होगा यह विधेयक विरासत एवं व्यक्तिगत संपत्तियों के अधिकारों की सुरक्षा करेगा मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति मे सुधार होगा विपक्ष का एजेंडा नकारात्मक प्रचार से लोगों को भ्रमित करने का है। प्रधानमंत्री मोदी जी का संकल्प सबका साथ सबका विकास व सबका विश्वास है और यही संकल्प केन्द्र सरकार की प्रत्येक योजना एवं निर्णय मे परिलक्षित होता है। भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने आये हुए मुख्यअतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रबुद्धजनों व कार्यकर्ताओं से कहा कि आप लोग अपने-अपने मंडलों में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के बारे में समाजों में जाकर चर्चा करें एवं कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

कार्यक्रम में मुख्यरूप से जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा कमलेश खाम्बे, अल्ताफ कादरी, समीर वारसी, अनवर अली, अजहर खां, मुस्ताक अहमद खां, अब्दुल गालिब, सिराजुद्दीन खां, मुस्तफा जमाल चुन्ना, तौफिक खां, औरंगजेब खां, अल्ताफ कादरी, एकलाख खां, अफसर वारसी, वसीर अहमद, जिला मंत्री संतोष शुक्ला, शम्भू नारायण सिंह, कैलाश बैसवार, नार सिंह पटेल, अनिल सिंह, मण्डल अध्यक्ष रामकली मौर्या, योगेन्द्र बिन्द, संजय केशरी, विमलेश चौबे, कमलेश चौबे, बृजेश श्रीवास्तव सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भूमि विवाद से सम्बन्धित प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण तत्काल करे अधिकारी: जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शासन की मन्शा के अनुरूप जिले के तहसील ओबरा में नई महीने के प्रथम शनिवार को `सम्पूर्ण समाधान दिवस` का आयोजन जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा की अध्यक्षता में ओबरा तहसील में किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को बड़े ही सरल भाव से सुना गया, सम्पूर्ण समाधान दिवस में ज्यादातर मामले भूमि व पुलिस विभाग से सम्बन्धी मामले प्राप्त हुए, उक्त मामले को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पुलिस विभाग व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर ससमय गुणवत्त पूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये, इस दौरान उन्होंने कहा कि आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण पुलिस विभाग व राजस्व विभाग के टीम द्वारा मौके पर जाकर किया जाये, आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का सभी अधिकारी प्रतिदिन अनुश्रवण करें और निर्धारित समय के अन्तर्गत ससमय निस्तारण सुनिश्चित करें, शिकायत के निस्तारण से सम्बन्धित फोटोग्राफ भी संलग्न करें, उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों में समय से उपस्थित होते हुए जनमानस के शिकायतों का निस्तारण समय से करना सुनिश्चित करेंगे। शिकायत के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी, इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता व लापरवाही क्षम्य नहीं होगी, सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी की नई पहल पर लगाये गये विभिन्न विभागों के पंजीकरण कैम्पों का जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा निरीक्षण किया गया, इस दौरान आयुष्मान कार्ड बनाने, विधवा पेंशन, निराश्रित पेंशन, दिव्यांग सर्टिफिकेट जारी करने के लिए कैम्प लगाये गये थे, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग, जिला समाज कल्याण विभाग, जिला दिव्यांग सशक्तिकरण अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि सम्बन्धित विभाग अपने-अपने विभाग द्वारा संचालित योजना जैसे आयुष्मान कार्ड बनाने, विधवा पेंशन, निराश्रित पेंशन, दिव्यांग सर्टिफिकेट आदि बनाने से सम्बन्धित जो भी प्राप्त हुए हैं, उनका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाये, सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले इन कैम्पों का आम जनमानस के के बीच व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाये, जिससे कि अधिक से अधिक लाभार्थी कैम्प में पहुंचकर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित हो सकें, सम्पूर्ण समाधान दिवस ओबरा में आयुष्मान कार्ड के 15 लाभार्थी आये थे जिसमें से 09 लाभार्थियों का कार्ड बनाया गया, 03 दिव्यांग प्रमाण पत्र, 03 वृद्धा पेंशन बनाया गया, तथा 09 लाभार्थियों का कार्बन रजिस्ट्री कराया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व उप जिलाधिकारी ओबरा श्री विवेक कुमार सिंह आदि ने 77 शिकायतें सुनते हुए पर ही 04 मामले निस्तारित किये गये, 03 टीम क्षेत्र में भेजकर टीम द्वारा 03 प्रकरणों का निस्तारण कराया, इस प्रकार तहसील दिवस ओबरा में कुल 07 प्रकरण निस्तारण किया गया, बाकी 70 प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के लिए निर्देश सम्बन्धित को दिए गए हैं। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी अश्वनी कुमार, जिला अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी नमित शरण, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह शैलम्य समाहित अधिकारी गण उपस्थित रहे। सम्पूर्ण समाधान दिवस राबर्ट्सगंज का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में शिकायतकर्ता के माध्यम से प्राप्त प्रार्थना-पत्रों का निस्तारण किया गया।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने प्रकरणों का निस्तारण कराते हुए सम्बन्धित को निर्देशित भी किया गया कि इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये, अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी राबर्ट्सगंज उत्कर्ष द्विवेदी, तहसीलदार अमित कुमार आदि ने 139 शिकायतों को सुनते हुए मौके पर ही 17 मामले निस्तारित किये गये, 01 टीम क्षेत्र में भेजकर टीम द्वारा 01 प्रकरण का निस्तारण किया गया, बाकी 121 प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के लिए निर्देश सम्बन्धित को दिए गए हैं। समाधान दिवस दुद्धी का आयोजन अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) सहदेव कुमार मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील दिवस में आये शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया। अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) सहदेव कुमार, उप जिलाधिकारी दुद्धी निखिल यादव, तहसीलदार दुद्धी आदि ने 49 शिकायतें सुनते हुए मौके पर ही 03 मामले निस्तारित किये गये, 01 टीम क्षेत्र में भेजकर टीम द्वारा 01 प्रकरण का निस्तारण किया गया, इस प्रकार कुल 04 प्रकरण का निस्तारण किया गया, बाकी 45 प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के लिए निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। सम्पूर्ण समाधान दिवस घोरावल का आयोजन उप जिलाधिकारी राजेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील दिवस में आये शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया। अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी घोरावल आदि ने 78 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 08 मामले निस्तारित किये गये, 02 टीम क्षेत्र में भेजकर टीम द्वारा 02 प्रकरण का निस्तारण किया गया, इस प्रकार कुल 10 प्रकरण का निस्तारण किया गया, बाकी 68 प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के लिए निर्देश सम्बन्धित को दिये गये।

दुष्कर्म के दोषी इमरान को 20 वर्ष की कठोर कैद

40 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। साढ़े चार वर्ष पूर्व 16 वर्षीय नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने शनिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी इमरान को 20 वर्ष की कठोर कैद एवं 40 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 30 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक विढमगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने 8 जनवरी 2021 को थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी 5 जनवरी 2021 को सुबह 5 बजे घर से शौच के लिए निकली थी। लेकिन वह काफी देर तक वापस नहीं लौटी। काफी रिश्तेदारों व अन्य जगहों पर खोजबीन की गई, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इस तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात में अपहरण का मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचना के दौरान अभियुक्त इमरान पुत्र यासीन उर्फ सलामत निवासी सैनपुर थाना कोतवाली औरैया, जिला औरैया का नाम प्रकाश में आया। इसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया और लड़की को बरामद किया। कोर्ट के समक्ष लड़की को पेश किया गया तो लड़की के बयान के आधार पर दुष्कर्म समेत अन्य धारा में बढ़ोत्तरी की गई। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी इमरान को 20 वर्ष की कठोर कैद एवं 40 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 30 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगा। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक नें ``सम्पूर्ण समाधान दिवस`` के अवसर पर सुनी फरियादियों की समस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। `सम्पूर्ण समाधान दिवस` के अवसर पर जिलाधिकारी बद्रीनाथ

सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा संयुक्त रूप से शनिवार को तहसील ओबरा पर जन शिकायतों को सुना गया तथा `सम्पूर्ण समाधान दिवस` के अवसर पर आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बन्धित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों द्वारा अपने सर्किल में पड़ने वाले तहसील पर `सम्पूर्ण समाधान दिवस` के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा सम्बन्धित को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

स्कूली छात्र छात्राओं को यातायात नियमों के बारे में दी गई जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। यातायात जागरूकता के तहत शनिवार को क्षेत्राधिकारी यातायात राज सोनकर द्वारा थाना पिपरी क्षेत्रान्तर्गत सरस्वती जूनियर हाई स्कूल रेनूकूट में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात द्वारा उपस्थित छात्र/छात्राओं को यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गयी तथा अपील किया गया कि वे मोबाइल से बात करते हुए, अत्यधिक तेज गति में तथा

गलत दिशा से वाहन न चलायें जिससे कि सभी सुरक्षित अपने-अपने घरों पर पहुंचे तथा सभी से बिना लाइसेंस के वाहन न चलाने हेतु अपील की गयी साथ ही साथ सड़क पर वाहन चलाते समय वाहनों के बीच उचित दूरी बनाये रखने हेतु भी जागरूक किया गया। इसके अलावा विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, साइबर हेल्पलाइन-1930 आदि सहित कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों इत्यादि के बारे में चर्चा करते हुए जागरूक किया गया।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने निर्माणाधीन तहसील ओबरा के भवन का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने

निर्माणाधीन तहसील ओबरा के भवन का शनिवार को औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण एजेंसी सी0एण्ड0डी0एस0 को निर्देशित करते हुए कहा कि तहसील भवन के निर्माण कार्य में तेजी लायी जाये और निर्माण कार्य ससमय गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण किया जाये जिससे कि तहसील का संचालन नये भवन से जल्द प्रारम्भ हो सके इस दौरान जिलाधिकारी ने निर्माणधीन तहसील भवन के विभिन्न कक्षों को देखे और निर्माण कार्य के गुणवत्ता बेहतर करने हेतु निर्देशित किये इस मौके पर उप जिलाधिकारी विवेक सिंह ओबरा, सी0ओ0 ओबरा, जे0ई0 सी0एण्ड0डी0एस0, अपर जिला सूचना अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

पुलिस अधीक्षक ने पेट्रोल पंप स्वामियों के साथ की गोष्ठी

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक `घनश्याम चौरसिया` ने पुलिस कार्यालय सभागार में जनपद के प्रमुख पेट्रोल पंप स्वामियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था तथा उनकी समस्याओं के निराकरण के संबंध में गोष्ठी की। पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न थाना क्षेत्र से आए व्यवसायी बंधुओं से उनका परिचय प्राप्त कर कुशलक्षेम जाना तत्पश्चात उनके क्षेत्र में आ रही प्रमुख समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। पेट्रोल पंप मालिकों के साथ गोष्ठी में सुरक्षा के सम्बंध में वार्ता करते हुए बताया कि पेट्रोल पंप पर उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगवाए, जिनके द्वारा पेट्रोल पम्प पर आने-जाने वाले रास्ते कवर हो जाये,जिससे रोड पर होने वाली किसी भी गतिविधि एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जा सकी सीसीटीवी लगने से अपराध को रोकने व उसका खुलासा करने में भी सहायता करने में भी सहायता प्राप्त होती है, इसके अतिरिक्त आसपास पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाए। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी बंधुओं को बताया गया कि कोई संदिग्ध व्यक्ति/गतिविधि दिखाई देता है तो सूचना तत्काल पुलिस को दे। सभी पेट्रोल पंप मालिको ने `पीआरवी 112` को पेट्रोल पंप पर और अधिक गश्त/गतिविधि बढ़ाने के लिए कहा गया जिस पुलिस अधीक्षक द्वारा उचित आश्वासन दिया गया।तथा उनसे यह भी अनुरोध किया कि जब भी कभी आप ज्यादा कैश लेकर जाते हैं तो उस सावधानी अवश्य रखें, किसी भी शंका होने पर 112 पर फोन लगाए जिससे आसपास खड़ी पीआरवी गाड़ी आप तक पहुंच जाए। इसके अलावा पेट्रोल पंप पर कार्य करने करने वाले कर्मचारियों को अपने यहां काम में रखने से पूर्व उनका `वैरिफिकेशन` भी कराने हेतु निर्देशित किया, साथ ही उपस्थित लोगों को साइबर अपराध से बचाव के सम्बंध में विस्तार से जानकारी दी गई ताकि कोई साइबर ठगी का शिकार न हो पाए।

कार्यालय : ग्रा.पं.- मुंडेरवा ठकुराइन, वि.खं.- पयागपुर, जनपद- बहराइच

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025-26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मुंडेरवा ठकुराइन विकास खण्ड-पयागपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/ पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज-2/आर.जी.एस.ए. के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री चारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अंत्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, वृक्षा रोपण, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी भराई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों के स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों-प्रथम श्रेणी ईंट, सीका खण्डा ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, डस्टर, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम. पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्टोन डस्ट, 80 एम.एम. इन्टरलाकिंग ईंट, मेट, साइन बोर्ड, सनमाइका, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई-रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टेलिया, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सीसीटीवी कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैग, मय भाड़ा अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मो से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 16/05/2025 अपरान्ह 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु-5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :-** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर देता हो। प्रमाणित प्रति लगाना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह वैट तथा कार्टेज भाड़े तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बीडीसी, जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 13. धरोहर की धनराशि नगद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफडी एवं एनएससी/डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत मुंडेरवा ठकुराइन के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत मुंडेरवा ठकुराइन कार्यालय से प्राप्त करना जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत मुंडेरवा ठकुराइन के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
अखिलेश	अमृतांशु सिंह
ग्रा.पं.-मुंडेरवा ठकुराइन,	ग्रा.पं.-मुंडेरवा ठकुराइन,
वि.ख.-पयागपुर, बहराइच	वि.ख.-पयागपुर, बहराइच

कार्यालय : ग्रा.पं.- सहसरावा, वि.खं.- पयागपुर, जनपद- बहराइच

पत्रांक मेमो/निविदा/सामग्री/2025-26

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सहसरावा विकास खण्ड-पयागपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/स्वच्छ भारत मिशन फेज-2/आर.जी.एस.ए. के अन्तर्गत सी.एस.सी. सेंटर निर्माण, गौशाला या गौशाला से जुड़ी सामग्री चारा भूसा चोकर आदि, स्टेशनरी सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, अंत्येष्टि स्थल निर्माण, पंचायत भवन निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत आदि निर्माण कार्य, वृक्षा रोपण, गेट निर्माण कार्य या मिट्टी भराई कार्य से जुड़ी सामग्री, मरम्मत अथवा निर्माण कार्य, योजनान्तर्गत कार्य एवं ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले अन्य कार्यों के स्थलों पर मय भाड़ा निम्न सामग्रियों-प्रथम श्रेणी ईंट, सीका खण्डा ईंट, सफेद मोरंग, सीमेंट, लाल मोरंग, डस्टर, सरिया, ईंट की रोड़ी 40 एम.एम. पत्थर गिट्टी 20 एम.एम., स्टोन डस्ट, 80 एम.एम. इन्टरलाकिंग ईंट, मेट, साइन बोर्ड, सनमाइका, प्राईमर, सफेद सीमेंट, लोकल बालू, ह्यूम पाइप, आर.सी.सी. बेंच, दरवाजा व खिड़की प्रति कु., हैण्ड पम्प से सम्बन्धित सामान, ई-रिक्शा व साइकिल रिक्शा, टेलिया, बेंच स्थापना, आरओ, वाटर प्लांट, सीसीटीवी कैमरा, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैग, मय भाड़ा अन्य निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि की आपूर्ति करने हेतु प्रतिष्ठित फर्मो से टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 22/05/2025 अपरान्ह 02.00 बजे तक समय आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में निविदा बाक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर राशि रु-5000.00 (पांच हजार) होगी। **नियम व शर्तें :-** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह कर देता हो। प्रमाणित प्रति लगाना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाए वह वैट तथा कार्टेज भाड़े तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बीडीसी, जिला पंचायत, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 13. धरोहर की धनराशि नगद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफडी एवं एनएससी/डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत सहसरावा के नाम बंधक से सम्पन्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 07 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत सहसरावा कार्यालय से प्राप्त करना जिसका मूल्य 100 रुपया है पर स्वीकार की जायेगी। 16. सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत सहसरावा के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव/ग्रा.वि.अ.
फूलचन्दर	वात्सल्य
ग्रा.पं.-सहसरावा,	ग्रा.पं.-सहसरावा,
वि.ख.-पयागपुर, बहराइच	वि.ख.-पयागपुर, बहराइच

पूर्व जिला अध्यक्ष स्वर्गीय रतन लाल गर्ग आयोजित हुई शोक सभा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र की आवश्यक बैठक स्थानीय एक होटल में आयोजन किया गया। जिसमें सभी वक्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा की शांति के लिए परमात्मा से प्रार्थना किया सभी वक्ताओं ने एक स्वर से कहा कि परमात्मा इस पीड़ा को सहन करने की उनके परिजनों को शक्ति प्रदान करें ज्ञात हो बताते चलें की 2 मई को लंबी बीमारी के बाद रतनलाल गर्ग का अपने निजी आवास पर देहावसान हो गया। सभी ने नम आंखों से उनको विदाई दी। संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पूर्व जिला अध्यक्ष स्वर्गीय रतन लाल गर्ग बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे उन्होंने व्यापारी हित के लिए लगातार 23 वर्षों तक जिला अध्यक्ष के पद पर कार्य करते हुए व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए निरंतर संघर्ष किया करते थे। शर्मा ने कहा कि सोनभद्र के इतिहास में इतने लंबे समय तक अपने पद पर कार्य करते हुए व्यापारियों के हित एवं सुख- दुख में सम्मिलित होकर हर संभव मदद भी किया करते थे। यदि उन्हें व्यापार मंडल का भीष्म पितामह कहा जाए तो शायद कोई अति संयोक्ति नहीं होगी। जनहित से जुड़ी समस्याओं के लिए धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन देकर जहां एक ओर व्यापारी हितों के लिए त संकल्पित रहे वहीं दूसरी ओर सामाजिक एवं धार्मिक मूल्यों का भी भली-भांति निर्वहन किया उन्होंने 18 वर्ष तक लगातार नवाह पाठ महायज्ञ की अध्यक्षता की एवं इस महायज्ञ में जनमानस को जोड़ने का कार्य किया। बैठक प्रमुख रूप से संगठन के संरक्षक सुशील पाठक, शिशु त्रिपाठी, जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह जिला कोषाध्यक्ष शरद जायसवाल नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन नगर महामंत्री जसकीरत सिंह वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष क्रमशः धर्मराज सिंह, राजकुमार जायसवाल, यशपाल सिंह, रवि जायसवाल, राजेश जायसवाल, प्रदीप जायसवाल टीपू अली, दीप सिंह पटेल, पंकज कनोडिया, ध्या सोनी, विनोद जायसवाल, नागेंद्र मोदनवाल गुरप्रीत सिंह सोखी, नगर महामंत्री जसकीरत सिंह नगर कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ सावरिया, जिला उपाध्यक्ष गुरमीत सिंह सोखी नगर मंत्री धर्मेंद्र प्रजापति मीडिया प्रभारी कुशाग्र शर्मा, आईटी सेल प्रभारी सूर्या जायसवाल, नगर मंत्री शिवम केशरी, अभिषेक केसरी, प्रतीक केसरी, अमित वर्मा,मुकेश सोनी अभिषेक सोनी, अभिषेक साहू नंदू केसरी अमित केसरी आदि लोग उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट- हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद- सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बॉक्स ऑफिस पर रेट्रो की शानदार शुरूआत, नानी पर भारी पड़े सूर्या

सूर्या और पूजा हेगड़े अभिनीत रोमांटिक एक्शन ड्रामा फिल्म रेट्रो 1 मई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म ने पहले दिन पूरे भारत में 19.25 करोड़ रुपये का शुद्ध संग्रह हासिल किया है, जिसमें अकेले तमिलनाडु में 17.75 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। दुनिया भर में पहले दिन की कमाई लगभग 30 करोड़ है। कंगुवा जैसी बड़ी आपदा होने के बावजूद, सूर्या की रेट्रो ने सिल्वर स्क्रीन पर प्रभावशाली दमखम दिखाया है। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सूर्या ने पारीवेल कन्नन की भूमिका निभाई है, जो एक सुधरा हुआ गैंगस्टर है जो अपनी प्रेमिका के पीछे अंडमान द्वीप पर जाता है। विभिन्न पात्रों में सूर्या के प्रदर्शन को दर्शकों के सभी वर्गों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। यह फिल्म रेट्रो 90 के दशक में सेट है और इसे आलोचकों और दर्शकों से समान रूप से ध्रुवीकरण समीक्षा मिली है। 65 करोड़ के बजट के साथ, रेट्रो का ओपनिंग डे कलेक्शन काफी प्रभावशाली है, हालांकि यह कंगुवा के ओपनिंग डे कलेक्शन से कम है। फिल्म की सफलता आने वाले दिनों में इसकी मौखिक प्रशंसा और दर्शकों के स्वागत पर निर्भर करेगी।

रेट्रो में प्रकाश राज, नासिर, जोजू जॉर्ज और जयराम सहित कई प्रभावशाली कलाकार हैं। फिल्म का संगीत संतोष नारायणन ने तैयार किया है, जबकि शफीक मोहम्मद अली संपादन का काम संभालेंगे और श्रेयस कृष्णा सिनेमैटोग्राफर हैं। स्टोन बेंच क्रिएशंस और 2डी एंटरटेनमेंट के बैनर तले सूर्या, ज्योतिका और कार्तिकेयन संथानम द्वारा निर्मित, रेट्रो का स्टार के प्रशंसकों द्वारा बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

मिश्रित समीक्षाओं और इसकी रिलीज को लेकर प्रत्याशा को देखते हुए, आने वाले दिनों में फिल्म के प्रदर्शन पर कड़ी नजर रखी जाएगी। अपनी मजबूत शुरूआत के साथ, रेट्रो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयार है, लेकिन इसकी दीर्घकालिक सफलता दर्शकों को बनाए रखने और सकारात्मक मौखिक प्रशंसा उत्पन्न करने की इसकी क्षमता पर निर्भर करेगी।

बॉक्स ऑफिस पर हिट 3 की जबरदस्त कमाई, नानी के करियर की दूसरी सबसे बड़ी ओपनर बनी

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता नानी फिल्म हिट 3रू द थर्ड केस को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म रेड 2 और द भूतनी के साथ 1 मई को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। इस फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, वहीं समीक्षकों ने भी नानी के अभिनय की सराहना की। फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत बेहद दमदार रही है। आइए जानें हिट 3 ने पहले दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, हिट पहले दिन 18 करोड़ रुपये जुटाने में सफल रही। हालांकि, आधिकारिक आंकड़े सामने आने के बाद उनमें थोड़ा बहुत फेरबदल हो सकता है। फिल्म ने तेलुगू भाषा में 17.25 करोड़ रुपये, तमिल भाषा में 35 लाख रुपये, कन्नड़ भाषा में 5 लाख रुपये, हिंदी भाषा में 25 लाख रुपये और मलयालम भाषा में 10 लाख रुपये का कारोबार किया। वीकेंड पर फिल्म की कमाई में और उछाल देखने को मिल सकता है। हिट 3 18 करोड़ रुपये के साथ नानी के करियर की दूसरी सबसे बड़ी ओपनर बनी है। इस फिल्म ने सारिपोधा सानिवारम को पछाड़ दिया है, जिसने पहले दिन 9 करोड़ रुपये का कारोबार किया। बता दें कि नानी की सर्वोच्च ओपनर का रिकॉर्ड दसहरा के नाम पर दर्ज है, जिसने भारत में 23.2 करोड़ से खाता खोला था। इस फिल्म में नानी के साथ अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी नजर आ रही हैं। शैलेश कोलानू इस फिल्म के निर्देशक हैं।

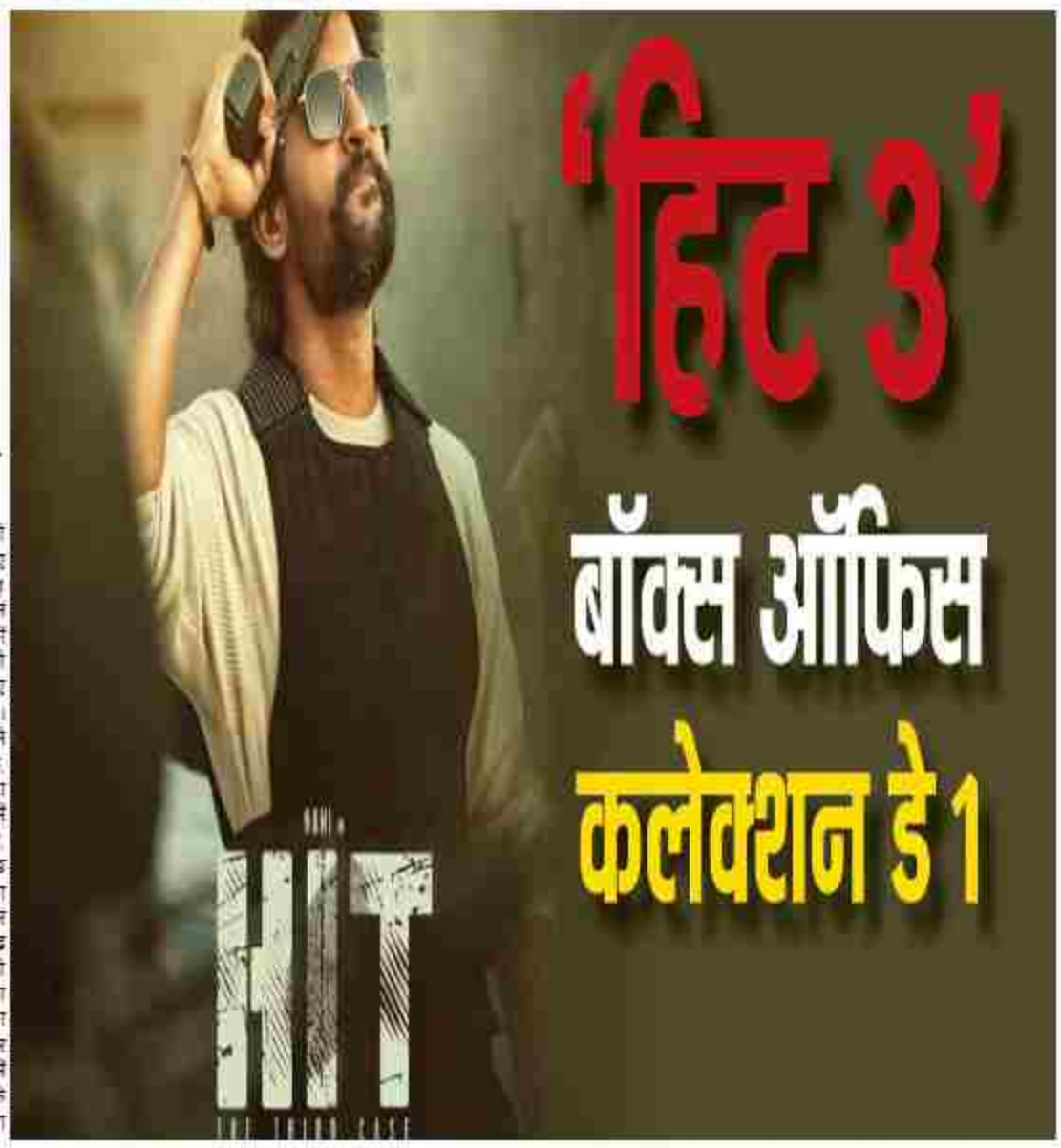

संदीपा धर ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया हॉट फोटोशूट, बालकनी में दिए किलर पोज

अभिनेत्री संदीपा धर एक बार फिर अपने स्टनिंग लुक्स को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है जिसमें वह बालकनी में बेहद

ग्लैमरस और बोल्ड अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं. इस फोटोशूट में संदीपा ने क्रोशिया स्टाइल की व्हाइट ड्रेस पहनी है, जो उनके फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही है. खुले बाल, न्यूड मेकअप और परफेक्ट लाइटिंग ने उनके लुक को और भी ज्यादा आकर्षक बना दिया है. इस ग्लैमरस अवतार में संदीपा ने रजत पे कहते हैं कि आकस्मिक, लेकिन आप समझ गए कि सेवाय कैप्शन के साथ तस्वीरें शेयर की हैं. इस फोटोशूट को रचित शेरा ने शूट किया है, मेकअप किया है एलिशा बी ने और स्टाइलिंग श्रु बिड़ला ने की है. संदीपा की इन तस्वीरों पर फैंस दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं. किसी ने उन्हें स्नार्जियसस्य कहा तो किसी ने उनके लुक को रैफायरय बताया. 24 घंटे के भीतर इस पोस्ट को 74,000 से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है. एक्टिंग के साथ-साथ संदीपा अपने बोल्ड और फैशनेबल लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं. यह फोटोशूट इस बात का एक और बेहतरीन उदाहरण है कि वह कैसे हर लुक को आत्मविश्वास के साथ कैरी करती हैं.

गर्मियों के दौरान महिलाएं इस तरह से करें आंखों का मेकअप, नहीं होगा खराब

गर्मियों में मेकअप करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर जब बात आंखों के मेकअप की हो। पसीने और उमस के कारण आईलाइनर और मस्कारा अक्सर फैल जाते हैं और आंखों का मेकअप बिगड़ जाता है। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स और तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर महिलाएं गर्मियों के दौरान भी बेहतरीन आई मेकअप कर सकती हैं और उनकी आंखों का मेकअप पूरे दिन सही बना रहेगा।

आइए इनके बारे में जानते हैं।

प्राइमर का करें इस्तेमाल- आंखों का प्राइमर लगाना बहुत जरूरी है क्योंकि यह आईशैडो और आईलाइनर को लंबे समय तक टिकाए रखने में मदद करता है।

प्राइमर आंखों की त्वचा को समतल बनाता है और एक बेस तैयार करता है, जिससे आईशैडो आसानी से लग सके।

इसके अलावा यह पसीने और नमी से भी बचाता है। प्राइमर लगाने से आपका आई मेकअप पूरे दिन सही बना रहता है और आपको बार-बार ठीक करने की जरूरत नहीं पड़ती।

हल्के रंगों का करें चयन- गर्मियों में हल्के रंगों का आईशैडो चुनना सबसे अच्छा होता है।

हल्के गुलाबी, नीला या हरा जैसे रंग आपकी आंखों पर बहुत अच्छे लगते हैं और उन्हें ताजगी भरा लुक देते हैं।

इन रंगों से आपकी आंखें चमकदार दिखेंगी और चेहरे पर एक निखार आएगा। हल्के रंगों का चयन करने से आपका आई मेकअप भी कम भारी लगेगा और आप पूरे दिन आरामदायक महसूस करेंगी।

इसके अलावा ये रंग गर्मियों की उमस को भी कम दिखाते हैं।

पानी से बचाने वाले आईलाइनर और मस्कारा लगाएं

पानी से बचाने वाले आईलाइनर और मस्कारा आपके आई मेकअप को पसीने और नमी से बचाते हैं।

ये लंबे समय तक टिके रहते हैं और फैलते नहीं। पानी से बचाने वाले आईलाइनर का इस्तेमाल करने से आपकी आंखें पूरे दिन एकदम सही दिखती हैं।

इसी तरह पानी से बचाने वाला मस्कारा आपकी पलकों को भी गीलेपन से बचाता है और उन्हें झड़ने से रोकता है।

इस प्रकार ये दोनों उत्पाद आई मेकअप को लंबे समय तक सही बनाए रखते हैं।

हल्का ब्लश लगाएं

आंखों का मेकअप पूरा करने के लिए हल्का ब्लश लगाना न भूलें। यह आपके चेहरे को ताजगी भरा लुक देगा और आपकी आंखों का मेकअप भी अच्छा दिखेगा।

आप हल्का गुलाबी या पीच रंग का ब्लश चुन सकती हैं, जो गर्मियों के मौसम के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। इससे आपका चेहरा निखरा हुआ लगेगा और आपको पूरे दिन आरामदायक महसूस होगा।

इस प्रकार हल्का ब्लश लगाने से आपका पूरा लुक और भी आकर्षक और ताजगी भरा दिखेगा।

सेटिंग स्प्रे का करें इस्तेमाल

आंखों का मेकअप सेट करने के लिए सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करें। यह आपके आई मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने में मदद करेगा और उसे खराब होने से रोकेगा। सेटिंग स्प्रे लगाने से आपका आई मेकअप तरोताजा दिखेगा और आपको बार-बार ठीक करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस प्रकार इन सरल टिप्स और तरीकों को अपनाकर महिलाएं गर्मियों के दौरान भी बेहतरीन आई मेकअप कर सकती हैं।